सत्यमेव जयते

असंशोधित

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

24 अप्रील, 2026

बिहार विधान सभा सचिवालय,
पटना ।

अष्टादश विधान सभा शुक्रवार, तिथि 24 अप्रील, 2026 ई0

द्वितीय सत्र 04 वैशाख, 1948 (शक)

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय – 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है।

माननीय सदस्यगण, अब राष्ट्रगान होगा। कृपया, अपने–अपने स्थान पर खड़े हो जायें।

(राष्ट्रगान)

माननीय सदस्यगण, आप सबों का स्वागत है। आज का यह उपवेशन लोकतांत्रिक परंपराओं की गरिमा और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। हम सभी यहां एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया ''माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी द्वारा सदन का विश्वास प्राप्त करने'' के निर्वहन के लिए एकत्रित हुए हैं।

माननीय सदस्यगण, विधान सभा केवल बहुमत का मंच नहीं, बल्कि विचार, मर्यादा और जन–आस्था का केन्द्र भी है। आज का दिन हमें यह स्मरण कराता है कि सत्ता का वास्तविक आधार जनता का विश्वास है और उसी विश्वास की अभिव्यक्ति इस सदन के माध्यम से होती है। यह प्रक्रिया न केवल सरकार की वैधता को सुदृढ़ करती है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को भी सजीव बनाए रखती है।

मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, किन्तु मर्यादा उसकी पहचान है। मैं सभी माननीय सदस्यों से अपेक्षा करता हूं कि वे इस अवसर पर पूरी शालीनता से इस विचार–विमर्श में भाग लेंगे। चर्चा सार्थक और संयमित हो, यही इस सदन की परंपरा रही है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह संसदीय प्रक्रिया, पारदर्शिता, शुचिता और संविधान के प्रति हमारी निष्ठा को और अधिक दृढ करेगी। आइए, हम सब मिलकर इस ऐतिहासिक अवसर को लोकतांत्रिक आदर्शों के अनुरूप सफल बनाएं।

माननीय सदस्यगण, अब मैं सदन में वर्तमान मंत्रिपरिषद् के वर्तमान विश्वास प्रस्ताव को लेता हूं।

माननीय मुख्यमंत्री जी।

श्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि

''यह सभा वर्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है।''

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, इस प्रस्ताव पर सभी दल के नेता अपने विचार रख सकते हैं। इसके लिए 90 मिनट का समय है। सभी दलों को उनकी संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है। इसी समय में से माननीय मुख्यमंत्री जी का संबोधन भी होगा–

भारतीय जनता पार्टी	– 32 मिनट
जनता दल यूनाइटेड	– 31 मिनट
राष्ट्रीय जनता दल	– 09 मिनट
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)	– 07 मिनट
इंडियन नेशनल कांग्रेस	– 02 मिनट
हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा	– 02 मिनट
ए0आई0एम0आई0एम0	– 02 मिनट
राष्ट्रीय लोक मोर्चा	– 01 मिनट
सी0पी0आई0 (एम॰एल॰)(एल॰)	– 01 मिनट
सी0पी0आई0 (एम॰)	– 01 मिनट
बहुजन समाजवादी पार्टी	– 01 मिनट
इंडियन इंक्लूसिव पार्टी	– 01 मिनट

.....

कुल = 90 मिनट

.....

सभी दलों से आग्रह है कि इस समय के अनुसार ही अपने विचार रखना चाहेंगे। माननीय नेता विरोधी दल, कृपया अपना पक्ष रखें। आपका समय 09 मिनट है।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : बहुत–बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। शायद आज इस दिन की जरूरत ही नहीं पड़ती कि एक दिन का सत्र रखा जाय। अगर भाजपा पहले से ही तय कर देती कि उनका मुख्यमंत्री होगा। महोदय, लेकिन चुनाव के समय हम सब लोगों ने देखा कि जदयू के लोग नारा लगाते थे कि ''2025 से 30 फिर से नीतीश''। महोदय, वाकई में चुनाव में हम लोग भी घूमकर बोला करते थे कि ऐसी नौबत नहीं आयेगी। हम लोग जानते थे कि भाजपा के लोग नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे और वही हुआ है। जो 2025 से 30 का नारा था, इन्होंने तो नीतीश जी को फिनिश कर दिया महोदय, 2025 से 30 में। महोदय, ताज्जुब की बात है कि किसी भी सरकार को विकास के लिए.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया, शांति बनाये रखें। बिना अनुमति के मत बोलिये।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, समय व्यर्थ हो रहा है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : हमारा आग्रह है कि बिना आसन की अनुमति के कृपया न बोलें।

(व्यवधान)

प्रमोद जी, बैठिये।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, समय व्यर्थ हो रहा है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपको मौका मिलेगा। आपको मौका मिलेगा अपनी बातों को रखने का। कृपया, शांति बनाइये। प्रमोद जी, मौका मिलेगा आपको। कृपया, बिना आसन की अनुमति के न बोलें। बैठ जाइये। आपको मौका मिलेगा। बैठिये।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, समय केवल नौ मिनट ही मिला है, जो संख्या बल के आधार पर है। हम तो आग्रह करेंगे कि कृपया हमारी बात को सुनें। आप लोग अपने समय....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया, टोका–टोकी न करें।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, किसी भी सरकार को विकास कार्य के लिए स्टेबिलिटी चाहिए होती है, लेकिन यह अजूबा स्टेट है बिहार कि जहां पांच साल में पांचवीं सरकार का गठन हुआ है। कहीं भी देश में आपने देखा होगा कि पांच साल में पांच सरकार ? महोदय, इसमें भी बिहार सरकार को और खास तौर पर एनडीए को जो 21 साल से राज करने के बाद भी यह नौबत आ पड़ी कि पांच साल में पांच सरकार बनानी पड़ रही है। महोदय, यह आश्चर्य की बात है कि बार–बार क्यों ऐसी नौबत आ पड़ती है। हम तो भाई सम्राट चौधरी जी को दिल से धन्यवाद देना चाहेंगे कि इलेक्टेड सी0एम0 को सेलेक्टेड सी0एम0 ने अपना संकल्प, जो लिया था, आपने अपना संकल्प पूरा किया और हम लोगों के लिए तो खुशी की बात है कि ये लालू जी की पाठशाला के हैं, मुख्यमंत्री बने, तो इससे अच्छी बात हम लोगों के लिए क्या हो सकती है। महोदय, इलेक्टेड सी0एम0 को सेलेक्टेड सी0एम0 ने हटाया। महोदय, भले ही पगड़ी पहले उतार लिये हों, मुंडन करा लिये हों, वह अलग बात है, लेकिन हम तो भाई सम्राट चौधरी जी को कहेंगे कि आपने जो पगड़ी उतारकर कहीं भी रखी है, उस पगड़ी को संभालकर रखियेगा, वह संभालकर रखियेगा। देखिये, विजय सिन्हा जी की उस पर नजर है। एकदम संभाल कर रखिये।

महोदय, भले ही भाजपा का पहला मुख्यमंत्री हो, लेकिन कई आरएसएस के लोग, भाजपा के लोग संतुष्ट नहीं हैं। आप जैसे महोदय, आप जैसे, जो ऑरिजिनल भाजपा के लोग हैं....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति–शांति।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आप हों, नंद किशोर यादव जी हों, गिरिराज सिंह जी हों, अश्वनी चौबे जी हों सब लोग, उन्होंने जो त्याग दिया सरकार

में आने का या विजय सिन्हा जी हों, ये लोग मुख्यमंत्री नहीं बने हैं।

(क्रमशः)

टर्न–2 / संगीता / 24.04.2026

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : महोदय, इस सरकार में देखिए कौन टॉप थ्री पर हैं, एक मुख्यमंत्री हैं, दो उप मुख्यमंत्री हैं, सम्राट जी लालू जी की पाठशाला से निकले, यहां विजय चौधरी जी हैं कांग्रेस से निकले, इधर बिजेंद्र यादव जी हैं जनता दल से निकले तो कोई ऑरिजनल भाजपा का लोग बैठा ही हुआ नहीं है महोदय, तो हमलोग तो एकदम संतुष्ट हैं महोदय । लेकिन जो ऑरिजनल भाजपा के लोग हैं, वे लोग थोड़े ठगे हुए महसूस और पीड़ित नजर आ रहे हैं तो अध्यक्ष महोदय, हम इतना चाहेंगे कि श्री सम्राट चौधरी जी ने ओथ लिया, भले ही ओथ में तीन–चार शब्द जो है गड़बड़ा गए, टंग ऑफ स्लीप होता रहता है लेकिन...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं । शांति बनाए रखें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : चर्चा ये है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठे–बैठे मत बोलिए । आपको समय मिलेगा तब बोलिएगा कुंदन जी ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : बोलने दो भाई, बोलने दीजिए...

श्री कुंदन कुमार : स्लीप ऑफ टंग होता है महोदय, टंग ऑफ स्लीप थोड़े ही होता है...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : हां, स्लीप ऑफ टंग हो गया हम मान लिए । अध्यक्ष महोदय, लेकिन चर्चा पूरे देश में यही हुई कि बिहार के मुख्यमंत्री का ऑरिजनल एज क्या है, ऑरिजनल डिग्री क्या है, कौन सा एफिडेविट जो है वे मानेंगे कौन सा साल वाला मानेंगे, ये जो है बिहार की जनता नहीं, देश की जनता जानना चाहती है महोदय तो हम ज्यादा तो कुछ नहीं कहेंगे लेकिन इनको तो धन्यवाद देते हैं लेकिन ज्यादा इनके पिताजी को धन्यवाद देना चाहते हैं शकुनी जी को क्योंकि शकुनी जी ने जो भाषण दिया था कि भागलपुर की धरती पर गाड़ देंगे, आज शायद मोदी जी डर गए इसलिए इनको बना दिया गया है महोदय तो अध्यक्ष महोदय ज्यादा...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : संजय जी बैठ जाइए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, बोलने नहीं देंगे तो क्या मतलब है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : संजय बाबू प्लीज, कृपया...

(व्यवधान)

संजय जी, बीच में खड़े मत होइए । बिना आसन के आदेश के मत बोलिए । आपको मौका मिलेगा बोलने का, बैठ जाइए ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अब अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

नहीं बोलने देना है तो हम बैठ जाते हैं, आपलोग बैठिए तब, छोड़ दीजिए ।

अध्यक्ष : आप बोलिए, बोलिए । आपका पूरा कीजिए, पूरा कर लीजिए ।

(व्यवधान)

देखिए, ये हाउस सबकी जिम्मेवारी है और आपको बोलने का मौका मिलेगा । बीच में मत खड़ा होइए । कोई लोग बीच में नहीं बोलेंगे । आप बोलिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, अब तो कम से कम परिवारवाद का आरोप हम पर नहीं लगेगा । श्री सम्राट चौधरी जी के पिता भी, राजनीति में इनके भाई भी, इनकी माता जी भी, ये भी सब लोग परिवार में हैं लेकिन हम दिल से, क्योंकि नौजवान हैं, हम इनको बधाई देते हैं, ये बने हैं, जो सहयोग होगा हमलोग करेंगे लेकिन एक बात हमलोग जानना चाहेंगे कि नीति आयोग की रिपोर्ट में जो है कि बिहार सबसे गरीब राज्य है पर–कैपिटा सबसे कम है महोदय । शिक्षा के, स्वास्थ्य के मामले में महोदय, हमलोग सबसे फिसड्डी राज्य में आते हैं । चुनाव के समय ठीक कुछ महीने पहले इनलोगों ने लगभग 40 हजार करोड़ से भी ज्यादा लोन लिया और अभी देखे की 12 हजार करोड़ और लोन ले रहे हैं । ये तो लालू जी ने जो लकीर जो खींची, जब लालू जी जब बने मुख्यमंत्री तो सरप्लस में था महोदय, 2005 में सरप्लस में दिया लेकिन...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया शांति बनाए रखें । सदन को चलाने में सहयोग करें कृपया । कुछ जरूरी बोलना हर बात में है ? बैठिए शांति से, सुनिए बातों को । हर दल को मौका मिलेगा बोलने का ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आज की स्थिति क्या है महोदय, बिहार पर 4 लाख करोड़ का कर्जा है महोदय, प्रति व्यक्ति 27 हजार का उधार है महोदय...

(व्यवधान)

पेंशन के लिए पैसा नहीं है इनको देने के लिए कर्मचारियों को महोदय, जब पैसा नहीं रहेगा तो काम कैसे होगा भईया ? खजाना खाली है तो काम कैसे होगा महोदय ? ये जो हैं, हमलोग जो हैं, जानना चाहते हैं ये कैसे होगा महोदय ? अब इनका क्या विजन है, रोड मैप है, बुरा मत मानिएगा, हम तो आपके विरोधी हैं ही, पहले नहीं थे, न आप

हमारे थे, न हम आपके थे, रास्ता आपने चुना महोदय तो बोलना तो पड़ेगा ही हमको, जो बिहार की सच्चाई है उसको तो हम बोलेंगे ही ना...

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : लेकिन एक बात समझिएगा कि हमलोगों का बिहार को गरीबी से उबारने के लिए बिहार को 5 अव्वल राज्यों में बनाने के लिए...

अध्यक्ष : कृपया समाप्त करें नेता विरोधी दल ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : जो सहयोग होगा महोदय, वह सहयोग राष्ट्रीय जनता दल और इंडिया के अलायंस के लोग देने का काम करेंगे । लेकिन एक बात और है महोदय, विजय बाबू हैं, बिजेंद्र जी तो बोलेंगे ही, जलेबी तो छनवे करेंगे लेकिन एक बात तय है, होना चाहिए कि पांच साल में पांच ही सरकार कि फिर कुछ महीने बाद एक और सरकार...

अध्यक्ष : अब आपका समय समाप्त हुआ, कृपया बैठ जाएं ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, ज्यादा कुछ न कहते हुए हम आपलोगों को पूरी शुभकामनाएं देते हैं, हमारी संख्या है नहीं, आज ट्रास वोट है लेकिन कम से कम हमलोगों को कभी भी कोई पॉलिसी अगर बनायी जा रही हो, कभी भी कोई विकास कार्यों के लिए निर्णय लिया जा रहा हो तो विपक्ष से कम से कम एक बार सलाह जरूर करना चाहिए और एक–दो रिक्वेस्ट और है महोदय । महिला आरक्षण की बात अगर हमलोग करते हैं तो हमलोगों की यह मांग है महिला आरक्षण में भी आरक्षण ओ0बी0सी0 महिलाओं के लिए होना चाहिए । आप ओ0बी0सी0 समाज से आते हैं, हमें बड़ा उम्मीद है और दूसरा, यह कि हमारी जो सरकार थी महागठबंधन की, उसमें हमलोगों ने 65 फीसदी जो आरक्षण बढ़ाया था महोदय, कम से कम पुनः उसको 65 ना करके 85 ही करके ले आइए, हमलोग फिर से पास कर देते हैं । कम से कम नौवीं अनूसूची में आपलोग ले आइए और हमको पूरा विश्वास है...

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं । माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी जी अपना पक्ष रखेंगे।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, बस कनक्लूड कर रहे हैं, एक मिनट, एक मिनट । बहुत ये लोग समय वेस्ट किये हैं महोदय ।

अध्यक्ष : ठीक है, जल्दी कर लीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : सम्राट जी आप आगे–आगे चलिए, सब पार्टी के लोगों को प्रधानमंत्री जी से मिलवाने चलिए, और चलिए बिहार के लिए हमलोग पैकेज लेकर आते हैं क्योंकि पैसा है नहीं वह आप भी जान रहे हैं...

अध्यक्ष : कृपया समाप्त करें । माननीय श्री विजय कुमार चौधरी जी ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : आपको ढ़ेरो शुभकामनाएं । आप आगे बढ़िए, हमलोगों का साथ पूरा रहेगा, धन्यवाद ।

श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो इस सदन में विश्वास मत का प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसका समर्थन करते हुए कुछ बातें रखना चाहता हूं । महोदय, वैसे नेता प्रतिपक्ष ने कुछ बातें रखी हैं, मैं उन पर भी आऊंगा लेकिन उसके पहले कुछ अपनी बात कह देना चाहता हूं कि ये जो हमारे श्री सम्राट चौधरी जी मुख्यमंत्री बने हैं इस प्रदेश के, इसका एक ऐतिहासिक महत्व है। यह कोई आम घटना नहीं है कि बिहार की जनता का जितना अटूट, अविरल, लगातार, निरंतर समर्थन एन0डी0ए0 को मिला है कि आज एन0डी0ए0 की दूसरी पीढ़ी बिहार के सत्ता में आयी है और इसको भी जनता का उसी प्रकार का समर्थन है । महोदय, यह कोई मामूली घटना नहीं है, इसका कोई मिसाल नहीं मिलेगा कि एक गठबंधन को...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठे–बैठे मत बोलिए ।

टर्न–3 / यानपति / 24.04.2026

श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री : एक गठबंधन को लगातार इतना समर्थन एक प्रदेश की जनता देती रहे, 20–25 साल लगातार कि पीढ़ियां बदल जायं लेकिन लोगों का विश्वास उस गठबंधन से हटे–टूटे नहीं, यह महोदय ऐतिहासिक घटना है । आज दूसरी पीढ़ी एन0डी0ए0 की आ गई । महोदय, नेता प्रतिपक्ष कह रहे थे कि सरकार बन गई, आपके और बातों का तो बाद में कहेंगे लेकिन चूंकि अभी सरकार की बात है तो आपको मलाल यही न है कि सरकार पर सरकार बनती जा रही है, आती जा रही है लेकिन आपको मौका नहीं मिल रहा है । वह मौका देने का अधिकार सिर्फ एक ही को है, वह है बिहार की जनता । बिहार की जनता का भरोसा जीतिए यहां पर कहने से महोदय अगर बिहार की जनता अगर इसी तरीके से समर्थन जारी रखेगी तो महोदय कोई असंभव नहीं है कि एन0डी0ए0 की तीसरी पीढ़ी भी बिहार में राज करेगी ये महोदय स्थिति है । लेकिन महोदय एक बात हम जरूर कहना चाहते हैं कि आज जहां हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है, इस नई सरकार का गठन हुआ और सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में नई सरकार बनी है लेकिन महोदय आज इस सभा में हमें एक रिक्तता का भी बोध हो रहा है । एक खालीपन भी महसूस हो रहा है । महोदय, एक दीपक जिसकी रौशनी में हमलोग लगातार चीजों को देखने के आदी बन चुके थे जिनकी रौशनी दिखाने पर हमलोग राजनीति करते थे और शासन में भी काम करते थे वो दीपक आज हमलोगों से दूर खिसक गया है । महोदय, हमलोगों ने उनके साथ मिलकर जो काम किया है और बिहार की जो तरक्की हुई है वह महोदय सब लोग जानते हैं और नेता

प्रतिपक्ष कह रहे थे कि 25 से 30 फिर से नीतीश और ये अभी भी हमारे मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री के बनने के बाद भी कह रहे हैं कि आज की सरकार नई सरकार भी नीतीश कुमार के रास्ते ही चलेगी महोदय तो फिर नीतीश कुमार में दिक्कत कहां है । 25 से 30 फिर से नीतीश और नीतीश के ही काम और नीतीश का ही रास्ता चलेगा, ये तो हमारे मुख्यमंत्री जी ने अनेक अवसरों पर बता दिया है इसलिए इसमें किसी को संशय होने की कोई आवश्यकता नहीं है । हमें मलाल जरूर है कि वैसा दूरदृष्टि वाला नेता हमलोगों से दूर खिसक गया है । आज इस सदन में, वो दूसरे सदन में चले गये हैं इस सदन में तो सिर्फ उनकी यादें हैं, स्मृतियां हैं, भावनाएं हैं, संवेदनाएं हैं । महोदय, लेकिन उनकी स्मृतियों को याद करते हुए भी हम अपने नये मुख्यमंत्री जी के साथ मिलकर उनके सपनों का ही बिहार बनायेंगे, हम बिहार की जनता को आवश्वस्त करना चाहते हैं और जहां तक इन्होंने कहा महोदय, जो भारतीय जनता पार्टी के बारे में शुरू से जानते थे तो अब भारतीय जनता पार्टी इसमें लगी हुई है ये उस दिन भी कह रहे थे जिस दिन महोदय हमलोग 43 हुए और ये 74 हुए और ये इनकी उदारता थी, हमारे नेता ने भी, हमलोग साक्षी रहे हैं महोदय, हमारे नेता ने भी कहा कि हमारी संख्या कम है इसलिए आप सरकार बना लीजिए, हमलोग आपके साथ रहेंगे, हमलोग भी मौजूद थे लेकिन यह भारतीय जनता पार्टी की उदारता थी जिसने हमारे नेता को सम्मान देते हुए उसने कहा कि नहीं नेता आप हैं, नेता के नाम पर हमलोग आए हैं अब कुछ इनलोगों को सालनेवाली बात है महोदय कि ये सत्ता, महोदय ये सत्ता का हस्तांतरण इतनी सहज गति से हो जायेगी ये शायद ये उम्मीद नहीं करते थे । इसीलिए बार–बार चीजों को फंसाने की कोशिश करते थे । महोदय ये भी इतिहास रचेगा कि इतनी सहज गति से सत्ता का अगली पीढ़ी में स्थानांतरण ये अपने आप में मिसाल है जिसको सीमलेस ट्रांजिशन कहते हैं, ये किसी ने सोचा नहीं था और ये हमारे नेता की उदारता का प्रमाण है कि वो बराबर कहते रहे हैं कि हमने 20 साल सेवा की है और उनकी सेवा की गवाही पूरा बिहार दे रहा है लेकिन अब हम इनलोगों को मौका देना चाहते हैं, ये तो उनकी उदारता है, महानता है महोदय । और हमारे नेता ने जो कहा सही बात है कि ये बात आम, हमलोग जैसे, आपलोग जैसे राजनीति करने वालों की समझ में नहीं आती है हमलोगों के लिए अंतिम लक्ष्य सत्ता ही होता है लेकिन आज सब बिहारवासी को गर्व होना चाहिए कि बिहार की राजनीति में एक ऐसा शख्स, एक ऐसा राजनेता भी हुआ जो सत्ता के शीर्ष पर पहुंचकर उसे महसूस हुआ कि हमने बहुत दिन राजनीति कर ली अब अगली पीढ़ी को मौका देना चाहिए, यह अकेला मिसाल है महोदय, ये कहीं और मिलनेवाला नहीं है महोदय और कह रहे थे अरे हम तो कहते हैं भाई महोदय, आसान नहीं है छोड़ना सियासत की इस बुलंदी को, हम आप तो सोचकर कांपते हैं महोदय । महोदय, आप जिस कुर्सी पर हैं, हमलोग जहां हैं, जो जहां हैं,

अगर मालूम हो कि कल इससे अलग होना पड़ेगा आज ही से दिल हिलने लगता है । इसलिए महोदय

''आसां नहीं है छोड़ना सियासत की बुलंदी को
यहां तो फकत तसव्वुर से कांप जाते हैं लोग ।''

लोग केवल सोच बने उसी में दिल कांपने लगता है लेकिन एक ऐसा शख्स भी सियासत में आया । ये महोदय, आनेवाला समय इतिहास लिखेगा, आनेवाली पीढ़ियां, राजनीतिक नस्लें ये रश्क करेंगी, उन्हें ईर्ष्या होगी कि उनके समय में भी कोई नीतीश कुमार जैसा नेता होता जो अपने, इसको वो करता महोदय और हमलोगों ने तो कहकर रखा है हमारे मुख्यमंत्री जी ने, हमलोग तो उनके कामों को बढ़ायेंगे और हर हाल में बढ़ायेंगे । जहां तक होगा यही हमारा रास्ता है उससे अलग हम कुछ नहीं करनेवाले हैं । उनकी नीतियों पर चलनेवाले हैं और आज उन्होंने जो महोदय किया कि आज इस बिहार की सरजमीं को तो हर कण जर्रा–जर्रा ये गवाही दे रहा है कि जो इतिहास, जो दास्तान उन्होंने तरक्की की लिखी है वो आनेवाले समय में हमलोगों का क्या आनेवाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगी महोदय । ऐसा इतिहास उन्होंने लिखा है और खासकर के दो–तीन बातों की मैं चर्चा करना चाहता हूं, ज्यादा चर्चा नहीं करूंगा कि अभी महिला आरक्षण ले लीजिए अभी नेता प्रतिपक्ष कुछ पेच लगाकर बोल रहे थे कि ये नहीं करो, वो नहीं करो, अरे महिलाओं को आगे आने दीजिए जो महिला उसमें से आगे निकलनेवाली होंगी निकल ही जाती हैं महोदय । आप महिलाओं को रोकिए नहीं लेकिन मैं अभी उस बात में...

(व्यवधान)

महोदय, मैं अभी उस बात पर नहीं जा रहा हूं उसपर बाद में आऊंगा, अभी मैं सिर्फ ये कह रहा था कि आज महिला आरक्षण राजनीति का हॉट केक बनी हुई है, महोदय, जिस प्रदेश में आप देख लीजिए चुनाव होनेवाला हो या कहीं पर कोई राजनीतिक चर्चा होनी हो महिलाओं को आगे बढ़ाना ये राजनीति का अव्वल फैशन और अव्वल नीति बन गई है और इसका श्रेय किसी एक प्रदेश को जाता है तो बिहार है और एक नेता को जाता है तो वो नीतीश कुमार हैं महोदय । ये बिहार है और नीतीश कुमार ने जो पौधा लगाया देखिए वो पौधा इतना फल फूल रहा है और ये हमारे प्रधानमंत्री जी महिलाओं को सामाजिक और राजनीति के काम में मुख्य धारा में लाने के लिए उनकी जो सोच है, उन्होंने महिला वंदन आरक्षण नियम लाया । आज महिलाओं के इसी सदन में आने की दस्तक सुनाई पड़ रही थी जिसको इनलोगों ने रोक दिया ।

(क्रमशः)

टर्न–4 / मुकुल / 24.04.2024

क्रमशः

श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री : इसका हिसाब तो महिलाएं करेंगी, इसकी चर्चा हम क्यों करें, इन्होंने जो महिलाओं का विधान सभाओं में या संसद में प्रवेश को रोका है उसका हिसाब तो महिलाएं ही करेंगी । हम तो सिर्फ यही कह रहे थे कि इसका अगुआ, अग्रणी बिहार ही बना था, हम सिर्फ यही कह रहे थे, यह हमलोगों की सफलता का कारण था। जाति गणना जो हम सब लोगों ने शुरू किया था, आपने जो किया, हम कभी भूलते नहीं हैं, यह अलग बात है कि हमलोगों ने जो किया आप बिल्कुल भूल जाते हैं। आपने जो किया, समर्थन दिया था महोदय, हम किसी के समर्थन से इंकार नहीं करते हैं लेकिन आखिर नेतृत्व, जिसकी सोच थी, आज आखिर पूरा देश, आज सब जगह हो रहा है, सब जगह लागू हो रहा है और महोदय, तीसरी बात जो खास तौर से मैं चर्चा करना चाहता हूं नेता प्रतिपक्ष सारे लोगों ने मिलकर इस सदन में एक कानून बनाया था, उस कानून का नाम था बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क अधिनियम, 2016, जिसको पता नहीं बोलचाल की भाषा में या साजिश के तहत इस कानून का नाम लोग शराबबंदी कानून अपने मन से कर दिये । महोदय, हत्या के खिलाफ जो कानून बना हुआ है उसको हत्याबंदी कानून कोई कहता है, यह शराब और महोदय, यह कानून हमारे नेता ने लाया था और सब लोगों ने समर्थन किया था, हम इंकार नहीं करते हैं कि आप सबकी सहमति से यह कानून बना था और कानून सिर्फ इतना है, यह खासकर हमारे मीडिया के भाइयों को अभी हम संबोधित करना चाहते हैं कि यह कानून सिर्फ इतना है कि शराब पीने को अपराध घोषित किया गया है और अगर शराब पीने वाले पकड़े जाते हैं, व्यापार करने वाले, भंडारण करने वाले, सेवन करने वाले और उनको सजा मिलती है तो यह कानून फेल कैसे है और सबसे बड़ी बात है महोदय कि यह सदन की कार्यवाही, ये भी नेता प्रतिपक्ष, ये भी क्या संयोग है देखिए जिस दिन यह कानून बन रहा था, संयोग से हम अध्यक्ष महोदय आपकी जगह पर थे, आप उनकी जगह थे और ये हमारी जगह थे देख लीजिए महोदय, यह कानून जब बना था, यह कानून इस परिपेक्ष्य में बना था, सारे लोगों का समर्थन था और आज अगर कहीं से कोई संदेहास्पद मौत मिलती है तो जैसे लगता है कि सारे लोगों का बस एक ही दायित्व है कि साबित कर दो कि यह जहरीली शराब से मौत हुई है, हमारे मीडिया के साथी भी लग जाते हैं ये कोई नहीं कहता है कि पीना गलत है, गांधी जी ने कहा था कि शराब पीने के बाद आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है, जानवर जैसा हो जाता है, संविधान में महोदय, अनुच्छेद–47 देख लीजिए, उसमें हमने यह वायदा किया है देश की जनता से कि औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर मतलब जब दवा–दारू के रूप में लेना हो, हम कोई भी नशीला या मादक पेय के व्यवहार को रोकेंगे, यह सरकार को

दायित्व दिया गया है, सरकार से अपेक्षा की गयी है और महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने इसमें पहल की और आप सब लोगों ने मदद किया है तो हम सिर्फ इतना कहना चाहते हैं कि आप भी मानते हैं कि यह चीज गलत है, कहीं पर कोई घटना घटती है, कोई नहीं आपलोग बोलते हैं कि भाई पीते क्यों हो, जिस चीज के करने से जान जा रही है, अगर पीने से किसी की जान गयी है तो यह तो इस कानून का औचित्य बताता है महोदय और मैं धन्यवाद देता हूं मुख्यमंत्री जी को कि इन्होंने साफ–साफ कहा है कि यह कानून है और आगे भी चलेगा, यह महोदय हमारे मुख्यमंत्री जी ने घोषणा कर दी है और अंत में महोदय, सिर्फ दो बात कहते हुए मैं बैठ जाऊंगा कि मैं धन्यवाद देना चाहता हूं अपने सभी सहयोगी दल, जो सभी हमारे सहयोगी दल हैं, जिन्होंने हमारे नेता को पहले बनाने से लेकर अभी तक लगातार समर्थन दिया है, खास तौर से भारतीय जनता पार्टी को जो अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय से लेकर आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी सबने हमारे नेता को लगातार समर्थन और दृढ़ता से दिया है महोदय, इसलिए हम पार्टी की तरफ से भी इनके प्रति आभार प्रकट करते हैं और सभी सहयोगी दलों को धन्यवाद देते हैं और बिहार की जनता को महोदय आश्वस्त करना चाहते हैं कि हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है, हमारे सामने जो लकीर है महोदय, जो हमारे नेता ने खींची है वह इतनी लंबी और इतनी गहरी है कि हम उसके साथ चलने को विवश हैं और उस रास्ते से हटने की हम सोच भी नहीं सकते हैं महोदय, हम उसी रास्ते चलेंगे और हमारे नेता ने जो बिहार के लोगों से वायदा किया है, जो कह रहे थे नेता प्रतिपक्ष विकसित बिहार बनाने का, मैं इन्हें धन्यवाद भी देता हूं जो इन्होंने सरकार का इन प्रयासों में समर्थन देने का वायदा किया है, हम इसके लिए इनको धन्यवाद भी देते हैं कि सरकार श्री सम्राट चौधरी जी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भी जो नीतीश कुमार जी के सपनों का बिहार है, जो उन्होंने बिहार को विकसित श्रेणी के राज्यों के बीच खड़ा करने का फैसला किया था, जो कह रहे थे नेता प्रतिपक्ष, जो ऊपर के पांच राज्यों में हम बिहार को ले जाना चाहते हैं यह जो उनका सपना था, नई सरकार भी उस सपने को साकार करने के लिए हम पूरा यत्न लगायेंगे और हमारी भरसक कोशिश होगी कि बिहार पुराने ऊंचाइयों तक जाये, विकसित प्रदेश की श्रेणियों में यह बिहार पहुंच जाए, इसलिए बिहार की जनता आश्वस्त रहे हम नीतीश कुमार के रास्ते से विचलित होने वाले नहीं हैं, वैसे हमारे विपक्ष के लोग चाहते हैं कुछ बीच में बातों को उलझाने का, लेकिन महोदय, कितना दिन प्रयास करेंगे, अब तो एन0डी0ए0 के सभी घटक दल इतने पक्के रूप से जुड़ चुके हैं कि इनको तो अहसास चुनाव में हो गया होगा कि लगातार होते–होते जितने बढ़ जाता है और महोदय, यह हमारे नेता की ही खासियत रही कि जितनी लोकप्रियता से वे मुख्यमंत्री बनें, यानी सत्ता में आयें यह भी महोदय, बेमिसाल है कि कोई राजनेता जिस लोकप्रियता या

मकबूलियत के साथ वो सत्ता में आये जब वह 20 वर्षों तक लगातार शासन करने के बाद जब सत्ता से अलग होने का फैसला ले, तब वो पहले से ज्यादा लोकप्रिय हो जाए यह महोदय, हिन्दुस्तान की राजनीति में यह समझिए बिल्कुल असंभव है, पूरे देश का इतिहास देख लीजिए ।

(व्यवधान)

महोदय, पूरे.... । छोड़ दीजिए न, इन लोगों को बोलने दीजिए, छोड़ दीजिए, बोलेंगे उसके बाद शांत हो जायेंगे ।

अध्यक्ष : आपलोग क्यों बोलते हैं ।

श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री : महोदय, इसका तो अहसास उसी दिन हो गया जिस दिन नेता ने घोषणा की कि वे राज्यसभा जायेंगे, नामांकन करने, आप ही के इस परिसर में पहुंचे थे और उसकी अहमियत उस दिन लोगों का पता चला कि महोदय, समर्थक–विरोधी का भेद खत्म हो गया, सब लोगों के मुंह से एक ही बात आ रही थी कि ये क्या हो गया, पूरा बिहार एक साथ मायूस हो गया, यही महोदय नेता की असली पहचान होती है और यही नेता की विरासत होती है तो हम बिहार की जनता से वायदा करते हैं कि श्री सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में उसी नेता की विरासत, उसी ईमानदारी और सच्चाई से बिहार को आगे ले चलेंगे । महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ हम माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है, मैं इसका समर्थन करता हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री मनोहर प्रसाद सिंह अपना पक्ष रखें । आपके पास 2 मिनट का समय है ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री, बिहार के विश्वास मत प्राप्त के विरुद्ध अपना विचार व्यक्त करना चाहता हूं । महोदय, भाजपा और जदयू के बीच यह शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण 2025 के चुनाव के पूर्व गुप्त समझौते का परिणाम है या 12 जून, 2010 को रात्रि भोज के लिए दिये गये निमंत्रण को अचानक रद्द करने के अपमान का प्रतिशोध यह तो जनता आगे इसका विचार करेगी ।

क्रमशः

टर्न–5 / सुरज / 24.04.2026

(क्रमशः)

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : महोदय, जैसा हमारे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एक नारा बहुत जोर से उछला था 2025 से 2030 फिर से नीतीश तो जिसका माननीय मुख्यमंत्री जी ने उसको विश्वासमत में उन्होंने विश्लेषित करने का प्रयास किया लेकिन जनता के सामने वह क्या विचार रख गये । जनता के सामने जो वादा करके लोग आये कि नीतीश कुमार जी रहेंगे 2030 तक तो फिर उनको अचानक क्यों बदल दिया गया, जनता उसको क्या

समझेगी ? दूसरा महोदय, जैसा उदारता की बात कही जा रही थी कि हमारे नेता ने भी उदारता दिखायी और भाजपा वालों ने भी उदारता दिखायी कि कम संख्या रहते हुये भी उनको मुख्यमंत्री बनाया और मुख्यमंत्री जी ने उनको कहा कि भाई आप अपना नेता बना लीजिये तो यह अगर विचार था तो जिस समय नये मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण हो रहा था तो उस समय यह उदारता क्यों नहीं दिखायी गयी ? उस समय दोनों तरफ से उदारता होती । माननीय सम्राट चौधरी जी को....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया शांति बनाये रखिये, सुनिये ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : सम्राट चौधरी जी को बना दिया जाता मुख्यमंत्री । महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया आपस में बात न करें ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : महोदय, अभी कहा गया कि बहुत अच्छा हमलोगों का शासन चला और बहुत अच्छे से शासन चलाकर गये । मैं सिर्फ विगत 10 साल का कुछ आंकड़ा आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाएं ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्य बैठ जाएं ।

श्री मनोहर प्रसाद सिंह : महोदय, शायद अपनी आलोचना सुनना नहीं चाहते हैं । मैं समझता हूं कि कम से कम आलोचना सुनने का सामर्थ्य रखना चाहिये । मैं कोई गलत बात नहीं बोल रहा हूं । जो आंकड़ा है उसी आंकड़े को बता देना चाहता हूं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य आपका समय समाप्त हो गया है । कृपया आप बैठ जाएं ।
माननीय सदस्य श्री राजू तिवारी जी अपना पक्ष रखें । 07 मिनट आपका समय है।

श्री राजू तिवारी : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने हमको बोलने का मौका दिया और साथ ही साथ आज सदन में पहली बार शपथ लेकर के बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी और हमारे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी जी और बिजेन्द्र यादव जी को बहुत–बहुत धन्यवाद अपनी पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), अपने नेता आदरणीय चिराग पासवान जी की तरफ से देता हूं । बधाई, बहुत–बहुत शुभकामना और साथ ही साथ अध्यक्ष महोदय जो प्रस्ताव हमारे मुख्यमंत्री जी लाये हैं उसका हमारी पार्टी पूरी तरह से समर्थन करती है । अध्यक्ष महोदय, अभी मैं सुन रहा था लोकतंत्र के पवित्र मंदिर में आज हमलोग, सब इकट्ठा हुये हैं और लोकतंत्र के मंदिर में अभी मैंने देखा है नेता प्रतिपक्ष के तरफ से जो वक्तव्य दिया गया है एक बार भी इतने बड़े बहुमत के साथ हमारे मुख्यमंत्री जी और उप मुख्यमंत्री जी

चुनकर आये हैं । एक बार भी एक बड़ी व्यथा के बाद उनको बधाई दिया गया है । यह क्या लोकतंत्र के मंदिर में यह हमारी भारतीय संस्कृति है । पीड़ा है, हम देख रहे थे उनके वक्तव्य, हमलोग तो मान लीजिये सुनते हैं । देख रहे थे कि किस तरह से वह पीड़ा फलाने का नाम ले रहे थे कि उनकी पाठशाला के हैं, फलाने का नाम ले रहे थे कि उनकी पाठशाला के हैं । आज आप सत्य स्वीकार करिये न । आप अंदर से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं । चूंकि आपके यहां पाठशाला से कोई दूसरा व्यक्ति नहीं आयेगा, सिर्फ आप ही के परिवार के लोग आयेंगे । यह ध्रुव सत्य है ।

(व्यवधान)

आप चिराग जी की चिंता मत करिये, चिराग जी के पाठशाला के आपके बगल में बैठे हुये हैं । मैंने यह देखा है....

(व्यवधान)

हम चिंता कर रहे हैं, हम देख रहे हैं अंदर से...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया शांति बनाये रखें ।

श्री राजू तिवारी : बर्दाश्त नहीं हो रहा है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठे–बैठे मत बोलिये ।

श्री राजू तिवारी : महोदय, एक चीज और मैं बताना चाहता हूं कि आप पाठशाला, पाठशाला । नीतीश कुमार जी जो हमारे यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री हैं उन्हीं की पाठशाला, उन्हीं की कृपा से आप दो–दो बार उप मुख्यमंत्री हुये हैं, यह भूलना नहीं चाहिये ।

(व्यवधान)

मैं बता रहा हूं । आप सत्य को स्वीकार करिये । सत्य को स्वीकार करना ही चाहिये । आप देख लीजिये कि आपका क्या मतलब इतना घमंड में । लोकतंत्र में बिहार की जनता मालिक है । बिहार की जनता ने इनता बड़ा बहुमत दिया है और मुख्यमंत्री जी के आर्शीवाद से, हमारे मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री कहते हैं कि मुख्यमंत्री के आर्शीवाद से पांचों दल के नेताओं के निर्देश पर, उनके पदचिन्हों पर बिहार अपना गौरवशाली इतिहास प्राप्त करने की राह पर चल चुका है और वह सम्राट जी के नेतृत्व में, मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में, उप मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हमलोग उस रास्ते पर चल रहे हैं और हमलोग उस गौरवशाली बिहार के इतिहास को प्राप्त करेंगे । लेकिन गौरवशाली इतिहास, आपने क्या किया अपने समय में ? आज आपको पीड़ा बहुत है, आप लोकतंत्र के मंदिर में...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया बैठे–बैठे मत बोलिये ।

श्री राजू तिवारी : आप चिंता मत करिये । आज महिलाओं के नाम पर....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाइये माननीय सदस्या । मत बोलिये बीच में ।

श्री राजू तिवारी : उप मुख्यमंत्री जी बोल रहे थे...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बीच में कोई लोग टोका–टोका नहीं करें ।

श्री राजू तिवारी : दस हजार, दस हजार, दस हजार ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सबों से आग्रह है कि बीच में टोका–टोकी नहीं करें ।

श्री राजू तिवारी : ये लोग महिलाओं के नाम पर अंदर से बहुत दर्द होता है । चूंकि इस चुनाव में जो 2025 का चुनाव था...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बिना आसन के अनुमति के बैठे–बैठे मत बोलिये ।

श्री राजू तिवारी : उसमें महिलाओं ने इतना बढ़–चढ़ करके हिस्सा लिया है एन0डी0ए0 के प्रत्याशियों को जीताने में । आप देखिये महिला किस तरह, यह महिला के नाम पर, इनके गठबंधन के लोग क्या–क्या बयान देते हैं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति बनाये रखिये ।

श्री राजू तिवारी : इनके गठबंधन के बड़े नेता हैं, कितना गंदा बयान देते हैं....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्या शांति ।

श्री राजू तिवारी : लेकिन इन लोगों को कुछ शर्म नाम की चीज ही नहीं है....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बीच में डिस्टर्ब मत करिये ।

श्री राजू तिवारी : महिलाओं ने जो काम किया है, महिला ने जो विकास किया है । अब देखिये अभी मुख्यमंत्री जी नहीं हैं, उनके आशीर्वाद से काम हो रहा है और जब मुख्यमंत्री जी थे तब भी पीड़ा हो रही थी, अनर्गल बयानबाजी दे रहे थे ये लोग । क्या–क्या नहीं मुख्यमंत्री जी के बार में व्यक्तिगत टिप्पणी कर रहे थे इससे पहले । इनलोगों को तो बेचैनी है, सत्ता के लिये ललायित हैं । कैसे सत्ता में हम, कैसे उधर कुर्सी जाए लेकिन बिहार की जनता इनको सत्ता का नहीं, अब तो समझिये कि दहाई का अंक भी नहीं मिलने देने वाली है । हमारे नेता चिराग पासवान जी ने स्पष्ट रूप से कहा है, पूरे गठबंधन, कैसे हमारे नेता बोले हैं कि पूरा पांचों दल के नेता एक हैं और चिंता मत करें यह मुख्यमंत्री जी की ही कृपा से और एक बार चिराग पासवान जी की कृपा से

इतना सीट आया था । 2010 में 23 था आज कितना है 25 इसके बाद क्या होगा यह समझने की आवश्यकता है । सत्ता में कौन राज कर रहा है वह जनता के आर्शीवाद से राज कर रहे हैं, जनता के आर्शीवाद से मुख्यमंत्री बने हैं । आप पीड़ित मत होइये, ज्यादा पीड़ा करियेगा तो आपको बहुत सारा पसीना निकलने लगता है । आज मैं अपने मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी जी और दोनों उप मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार का संकल्प सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास । हम समाज के हर वर्ग के, हर क्षेत्र के, हर व्यक्ति के समग्र विकास के लिये हमारी सरकार प्रतिबद्व है । किसान, युवा, महिलायें, वंचित हर क्षेत्र के हर व्यक्ति के समग्र विकास के लिये सरकार काम कर रही है और मुख्यमंत्री जी और पूरे एन0डी0ए0 के नेताओं के नेतृत्व में, सम्राट जी के नेतृत्व में जो मुख्यमंत्री जी ने विकास की गाड़ी बढ़ाई है उसको और तीव्र गति से हम चलाने का काम करेंगे । इस सदन के माध्यम से मैं कहना चाहता हूं कि सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि हम मिलकर बिहार के विकास की दिशा में कार्य करेंगे । राजनीति में मतभेद हो सकते हैं लेकिन प्रदेश के हित में हम सबको एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लेना होगा और साथ मिलकर प्रदेश की जनता के हित में काम करना होगा । अंत में मैं पुनः आदरणीय यशस्वी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस शक्ति, साहस और दृष्टि प्रदान करें ताकि वह बिहार को प्रगति और समृद्धि के पथ पर अग्रसर करेंगे । महोदय, मैं अपने नेता फिर एक बार आखिरी में जो मुख्यमंत्री ने सदन में प्रस्ताव पेश किया उसका पूरी तरह से पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अपने नेता चिराग पासवान जी के प्रति समर्थन करता हूं और बहुत–बहुत बधाई भी देता हूं । धन्यवाद ।

टर्न–6 / धिरेन्द्र / 24.04.2026

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अखतरूल ईमान जी, अपना पक्ष रखें । आपका समय दो मिनट है।

श्री अखतरूल ईमान : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया इसके लिए शुक्रिया। लोकतंत्र में जनादेश का मान और सम्मान किया जाता है और बिहार की जनता ने जो मैनडेट दिया है वह एन॰डी॰ए॰ के हक में दिया है । इसलिए जो उनका फैसला है, मैं उस पर नई सरकार को मुबारकबाद देता हूँ और इसलिए मुबारकबाद देता हूँ कि यह मेरा निजी फैसला है, मैं विपक्ष में हूँ लेकिन बिहार की जनता का फैसला उसके हक में आया है । मैं दिल की गहराइयों से जनाब सम्राट चौधरी साहब को मुख्यमंत्री बनने पर, जनाब विजय कुमार चौधरी साहब को उप मुख्यमंत्री बनने पर और बहुत ही

तजुर्बेकार हम सबों के बुजुर्ग नेता बिजेन्द्र प्रसाद यादव साहब को उप मुख्यमंत्री बनने पर दिल की अमित गहराइयों से मुबारकबाद देता हूँ । मैं जानता हूँ कि इस वक्त शायद यह इतिहास का एक बड़ा पार्ट है कि सबसे युवा मुख्यमंत्री अभी बिहार को मिल रहा है और ये सैकेंड जनरेशन के हैं । चुनौतियां भी काफी हैं और वाकयतन नीतीश कुमार जी ने पिछले 20 सालों में, 21 सालों में, उन्होंने जिस सौहार्दपूर्ण वातावरण को स्थापित रखने का प्रयास किया है इसको कायम रखना और इसको बेहतर बनाना, मैं समझता हूँ सम्राट चौधरी साहब और मंत्रिमंडल के सामने बड़ी चुनौती है । हमारा बिहार महापुरुषों का बिहार रहा है, सौहार्दपूर्ण वातावरण में हमलोग जीते आये हैं और महोदय, मैं जब पहली बार इस सदन में आया तो आपकी कुर्सी पर आते हुए जब मैंने देखा कि जो आते हैं हमारे स्पीकर साहब तो पहले विपक्ष की ओर सर झुकाते हैं, नमन करते हैं फिर सत्ता पक्ष की तरफ । मैंने कहा कि सत्ता के लोग चुने हुए और विपक्ष को इतना सम्मान । कहा कि हाँ, लोकतंत्र में यही है कि कमजोरों को सम्मान देना चाहिए और यह कमजोरों को सम्मान देना आपकी जिम्मेदारी है। आप बड़ी आशाओं से देखे जा रहे हैं लेकिन बड़े आशंकाओं से भी देखे जा रहे हैं। बिहार में आशा है कि आप अच्छा काम करेंगे और मजबूत इरादे के आदमी हैं लेकिन बिहार में आपके विपक्षों के जरिए या फिर आपकी छवि को धूमिल करना चाहते हैं या फिर पत्रकारों को अपनी टी॰आर॰पी॰ बढ़ाने के लिए यह पेश किया जाता है कि कहीं–न–कहीं से दलित, कमजोर और अल्पसंख्यक लोग आपसे भयभीत हैं । हम आपसे कहना चाहते हैं, मैंने पिछले मौके पर भी कहा था कि मुझे अक्सर ऐसे मौके पर न जाने क्यूं प्रेमचंद्र जी याद आते हैं कि जिन्होंने अपने 'पंचपरमेश्वर' में कहा था कि जब कुर्सी पर बैठता है तो रिश्ते और आंसू के कतरे नहीं नापे जाते बल्कि सच्चाई नापी जाती है । आप भले ही, आपका किसी पार्टी से रिश्ता हो लेकिन आप उसके मुख्यमंत्री नहीं हैं, आप बिहार के सम्मानित मुख्यमंत्री हैं, इसलिए बिहार की जनता का ख्याल रखियेगा ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हुआ । कृपया बैठ जाएं ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, आखिरी में मैं एक बात कहना चाहता हूँ कि पूरे बिहार का विकास तो जरूर कीजिये, अपना बिहार आगे बढ़े और एक नये किस्म की सरकार आप चलाकर दिखायें लेकिन कमजोरों को मत भुलाइये और सीमांचल को खासकर के । मेरा दर्द जो है सीमांचल की लड़ाई लड़ रहा है । सीमांचल का, दलितों का, अकलियतों का जरूर ख्याल रखियेगा ।

गुल फेंके है औरों की तरफ बल्कि समर भी,
ऐ खाना–बर–अंदाज–ए–चमन कुछ तो इधर भी ।

बहुत–बहुत शुक्रिया ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अरूण सिंह, अपना पक्ष रखें । अरूण बाबू, आपका समय एक मिनट है ।

श्री अरूण सिंह : अध्यक्ष महोदय, जनता का जो जनादेश है उसका मैं सम्मान करता हूँ लेकिन जनता का जनादेश '25 से 30, फिर से नीतीश', इस रूप में मिला था लेकिन बीच में ही और चार महीने के अंदर ही नीतीश कुमार को हटा कर जिस तरह से नई सरकार आयी है तो मैं इस जनादेश को विश्वासघात ही समझता हूँ कि जनादेश के साथ विश्वासघात हुआ है । अब खैर जनता दल (यू) को यह मंजूर है तो उसमें हमको कुछ नहीं कहना चूंकि दोनों का बहुमत है और बहुमत से ऐसी सरकार बन रही है तो सरकार को हमारा शुक्रिया । अब महिला आरक्षण के बारे में जो बातें विजय चौधरी जी ने उठायी, हम तो कह रहे हैं कि आज लागू कर दीजिये महिला आरक्षण । वर्ष 2023 में कानून बना था, वह कानून हम नहीं बनाये थे आप ही बनाये थे, उसको खारिज कर दीजिय कि कानून नहीं था और 17 तारीख को 09 बजे रात में आप अधिसूचना जारी करते हैं....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हुआ । कृपया बैठ जाएं ।

श्री अरूण सिंह : महोदय, तो जारी कर दीजिये । मैं महिला आरक्षण के पक्ष में हूँ और महिला आरक्षण के पीछे जो खेल करना चाहते थे, संघीय ढांचे को खत्म करना चाहते थे....

अध्यक्ष : अरूण बाबू, आपका समय समाप्त हुआ । कृपया बैठ जाएं ।

श्री अरूण सिंह : महोदय, लोकतंत्र को खत्म करना चाहते थे, उसका मैं जरूर विरोध करता हूँ ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी जी । आपका दो मिनट समय है ।

श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय । आज बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी ने जो प्रस्ताव लाया है, हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा इसका समर्थन करती है और धन्यवाद देती है कि बिहार में जो श्री नीतीश कुमार जी ने विकास का काम किया है । हम आशा और शुभकामनाओं के साथ श्री सम्राट चौधरी जी, विजय कुमार चौधरी जी और बिजेन्द्र प्रसाद यादव जी को हम अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ बहुत–बहुत धन्यवाद ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शांति बनाये रखें । माननीय सदस्य श्री अजय कुमार, अपना पक्ष रखें । आपका समय एक मिनट है ।

श्री अजय कुमार : माननीय अध्यक्ष महोदय, शुक्रिया । मैं सबसे पहले सदन में माननीय मुख्यमंत्री जी के रूप में उन्होंने विश्वास मत मांगा है, मुख्यमंत्री के तौर पर मैं उनको बधाई देता हूँ । नौजवान मुख्यमंत्री हैं, जरूर काम करेंगे लेकिन मैं यह जानना चाहता हूँ कि आज से 04–05 महीना पहले ही तो चुनाव हुआ था, उस चुनाव में न सिर्फ जनता दल (यूनाइटेड), भारतीय जनता पार्टी भी हर मंच पर, इवेन प्रधानमंत्री जी कहते थे '25 से

30 फिर से नीतीश', तो उसी समय क्यों नहीं आप सम्राट चौधरी जी को ले आये थे । क्या मसला है? क्या कहीं डर था कि भाजपा के नाम पर हम बहुमत हासिल नहीं कर पायेंगे ? अगर यह डर था, अगर आपने कहा तो फिर आज आपने यह काम क्यों किया ? इसीलिए घबराइये नहीं, सुनिये, सुनने की कोशिश कीजिये । इसीलिए मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ कि ठीक, जो काम आपने किया है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कृपया शांति बनाये रखें ।

श्री अजय कुमार : महोदय, मेरी उम्मीद है उसके बाद भी । अभी विजय बाबू बोल रहे थे कि नीतीश जी ने जो फैसले लिये उसी को लागू करते रहेंगे....

अध्यक्ष : अजय बाबू, आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री अजय कुमार : महोदय, आपके संबोधन में.....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आपलोग डायरेक्शन मत दीजिये । आसन की ओर से बोला जायेगा । आप बैठ जाइये । आप सहयोग कीजिये सदन चलाने में ।

श्री अजय कुमार : महोदय, आपके संबोधन में दो–तीन बातें कहूंगा कि उन्होंने कहा था कि बंद पड़े जो चीनी मिल हैं, जितने उद्योग बंद हैं वे सब खोले जायेंगे । जवाब में यह जरूर आप बताइयेगा और महिला आरक्षण के बारे में.....

अध्यक्ष : अजय बाबू, आपका समय समाप्त हुआ । कृपया बैठ जाइये ।

श्री अजय कुमार : महोदय, वर्ष 2023 में महिला आरक्षण जो लाया था उसको लागू करने से किसने मना कर दिया, आप उसको लागू कर देते । आज चाहिए तो कर दीजिये, आपकी सरकार है दिल्ली में, आप उसको कर तो दीजिये ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बैठ जाएं । आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री अजय कुमार : महोदय, असल में महिला को सामने लाकर के रिजर्वेशन को आप कुंध करना चाहते हैं । जिनको आरक्षण मिला है उसको छिनना चाहते हैं ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री माधव आनंद जी, अपना पक्ष रखें ।

श्री माधव आनंद : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो प्रस्ताव पेश किया है हमारी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा, आदरणीय उपेन्द्र कुशवाहा जी की तरफ से हम सबलोग इसका समर्थन करते हैं । आदरणीय अध्यक्ष जी, हमलोगों के लिए तो यह गौरव का विषय है कि आदरणीय सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में नई सरकार बनी है और दो उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी जी और बिजेन्द्र प्रसाद यादव जी, मैं उनको भी शुभकामना देता हूँ अपनी पार्टी की तरफ से और आदरणीय उपेन्द्र कुशवाहा जी की तरफ से और मैंने तो सदन में पहले भी कहा था, आप लोगों को याद होगा कि मैंने कहा था कि हमारे देश में अभी मेरे दो ब्रांड एंबेसडर एन॰डी॰ए॰ के हैं, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी जी और आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी । अब तीसरे ब्रांड के रूप में आदरणीय सम्राट चौधरी जी बिहार में आये हैं और हमलोगों को पूरा उम्मीद है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी की जो योजनाएं हैं, प्रधानमंत्री जी की जो सोच है, आदरणीय नीतीश कुमार जी की जो सोच है, उस सोच के साथ यह सरकार तो आगे बढ़ेगी ही, साथ में बहुत सारे ऐसी नई चीज भी लाने का काम करेंगे और जिस तरह आदरणीय नीतीश कुमार जी ने बिहार में नया इतिहास रचा, हमलोगों को पूरी उम्मीद है, मेरी पार्टी को पूरी उम्मीद है कि सम्राट चौधरी जी के नेतृत्व में एक नया इतिहास बिहार में रचा जायगा । कुछ लाईन मैं बोलना चाहूंगा आदरणीय अध्यक्ष जी, आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत अच्छा इनिशिएटिव लिया । मैं कुछ दिन पहले ही पढ़ रहा था जब नई सरकार बनी थी कि पाँच लाख करोड़ की प्राइवेट निवेश की इन्होंने बात की, मैं बहुत शुक्रगुजार हूँ आदरणीय मुख्यमंत्री जी का, अगर इस तरह का इनिशिएटिव लाते हैं और अगर हमलोग प्राइवेट इन्वेस्टर को अट्रैक्ट करते हैं, उनके इमोशन को समझते हुए कैसे सेंटीमेंट को जीता जाय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी को इसके लिए धन्यवाद देता हूँ और हमारे जैसे युवा साथी खासकर जो इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं, मैं पूरा विश्वास दिलाता हूँ आदरणीय मुख्यमंत्री जी को कि अगर आप आगे बढ़िये, प्राइवेट निवेश हमलोग लाकर दिखाते हैं बिहार में और पलायन को भी रोकने का काम करेंगे । आपने मुझे मौका दिया और मैं तमाम अपने पार्टी के जो विधायक हैं स्नेहलता मैडम हैं, रामेश्वर महतो जी हैं और आलोक कुमार सिंह जी हैं । सब की तरफ से एक बार पुनः इनको धन्यवाद देता हूँ और बहुत–बहुत शुभकामना भी देना चाहता हूँ । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

टर्न–7 / अंजली / 24.04.2026

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री आई0पी0 गुप्ता जी । आपका समय एक मिनट है ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : महोदय, एक मिनट के डर से रात भर हम हहरते रहते हैं, सोते नहीं हैं । आज हम माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं, बधाई देने दीजिए हमको महोदय ।

अध्यक्ष : बधाई दे दीजिए, क्या दिक्कत है ?

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : महोदय, बिहार संक्रमण काल से गुजर रहा है, दो संक्रमण काल है । एक समाजवादी की धरती पर भाजपा का आगमन हुआ, पहला संक्रमण । दूसरा संक्रमण यह है कि पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी को सत्ता हस्तांतरण हुआ है और उनके पहले मुख्यमंत्री बने हैं आदरणीय श्री सम्राट चौधरी जी, मैं उनको इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं । दूसरा धन्यवाद इसलिए भी देना चाहता हूं कि नागपुर को और दिल्ली दरबार को पछाड़कर मुख्यमंत्री बने हैं, उसके लिए भी आपको बहुत–बहुत धन्यवाद और तीसरा धन्यवाद आपको देना चाहते हैं कि आपने आदरणीय मुख्यमंत्री जी का विश्वास

जीता है, उसके लिए भी आपको बहुत–बहुत धन्यवाद और चौथा धन्यवाद, आप पुराने जिला मुंगेर के हैं मुख्यमंत्री जी, वहीं मेरा भी जिला था, उसके लिए भी आपको धन्यवाद देना चाहते हैं लेकिन साथ में...

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : महोदय, एक मिनट । अतिपिछड़ा से...

(व्यवधान)

महोदय एक मिनट और दिया जाए ।

अध्यक्ष : लास्ट में बोल लीजिए ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहते हैं कि मुख्यमंत्री जी आपने....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति–शांति ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि हमारा आरक्षण आप ही वापस दिलवा सकते हैं माननीय मुख्यमंत्री जी हमको आरक्षण दिलवा दीजिए ।

अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाएं ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : और एक आगाह करना चाहते हैं कि हमलोग...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री सतीश कुमार सिंह यादव, अपना पक्ष रखें ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : महोदय, एक मिनट । सिर्फ एक बात बोलने दीजिए ।

अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हो गया है । आज शुक्रवार है ।

श्री इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता : महोदय, एक मिनट सुना जाए । आदरणीय विजय चौधरी जी ने एक बड़ी बात कह दी है, उप मुख्यमंत्री जी ने एक बड़ी बात कह दी है कि सत्ता का हस्तांतरण हुआ है दूसरी पीढ़ी, लेकिन इन्होंने तीसरी पीढ़ी की बात कह दी है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाएं । श्री सतीश कुमार सिंह यादव जी, एक मिनट में अपनी बात रखें ।

श्री आई0पी0 गुप्ता जी, आप बैठ जाइए ।

श्री सतीश कुमार सिंह यादव : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, जनादेश का सम्मान करते हुए मैं बिहार के नए मुख्यमंत्री बने माननीय श्री सम्राट चौधरी जी को दिल से बहुत–बहुत बधाई, धन्यवाद एवं शुभकामनाएं देता हूं । साथ ही, उप मुख्यमंत्री बने माननीय बिजेन्द्र प्रसाद यादव जी को मैं बहुत–बहुत बधाई देता हूं । सम्मानीय उप मुख्यमंत्री बने माननीय श्री विजय कुमार चौधरी जी को भी मैं बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं ।

महोदय, नई सरकार का गठन हुआ है, बिहार की जनता को बहुत आशा और उम्मीद है कि नई सरकार में रोजगार का सृजन होगा, जनता जवाबदेह होगी, पारदर्शी होगी, कानून का राज होगा और ब्लॉक अंचल और थानों में जो व्याप्त भ्रष्टाचार

है, उन भ्रष्टाचारों पर अंकुश लगाया जाएगा । महोदय, किसानों को भी बहुत उम्मीद है, क्योंकि किसानों की फसलों के दाम नहीं मिल पा रहे हैं । पिछली बार धान के लिए किसान बहुत दर–दर भटके हैं, अभी गेहूं की फसल कट चुकी है, सरकार ने जो न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है, वह किसानों को नहीं मिल रहा है । नई सरकार जरूर उस पर भी ध्यान देगी ।

अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाइए ।

श्री सतीश कुमार सिंह यादव : महोदय, एक मिनट दिया जाए । महोदय, यहां लिखा हुआ है कि ''ससंदीय लोकतंत्र में विरोधी दल सरकार के ही अंग माने जाते हैं ।''

महोदय, हम सब छोटे दल के विधायक हैं, तो हम सब की भी भावनाओं की कद्र होनी चाहिए । सदन में हम लोगों ने बहुत से नए सदस्यों ने इस उम्मीद के साथ सवाल किया था कि सरकार उस पर जरूर कार्रवाई करेगी, लेकिन पिछले ढाई–तीन महीनों से किसी भी सवाल पर कोई भी कार्रवाई अभी तक नहीं हुई है, इस पर भी जरूर सरकार, क्योंकि सदन की गरिमा है...

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाइए ।

श्री सतीश कुमार सिंह यादव : महोदय, हमलोग सिर्फ वेतन, तनख्वाह और पेंशन के लिए यहां पर नहीं आए हैं, यहां पर जनता के सवालों को सदन में सरकार के सामने रखने आए हैं । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री श्रवण कुमार जी, जनता दल यूनाइटेड के नेता चुने गए हैं, उनको मैं बधाई देता हूं और आग्रह करता हूं अपना पक्ष रखें । आपका समय तीन मिनट है ।

श्री श्रवण कुमार : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने इस विशेष सत्र में और इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्वास मत का प्रस्ताव हमारे मुख्यमंत्री आदरणीय सम्राट चौधरी ने रखा है, उसमें पूरा समर्थन है जनता दल यूनाइटेड का और नीतीश कुमार जी का जो निर्देश है उसके अनुसार पूरी तरह से जनता दल यूनाइटेड के सभी माननीय विधायक, हम इनका समर्थन करते हैं ।

महोदय, वक्त कम है लेकिन दो–तीन बातें मैं आपके सामने रखना चाहता हूं । जब से नीतीश कुमार जी को बिहार की जनता ने मौका दिया, लगातार हर क्षेत्र में उन्होंने काम किया है । सभी जाति, सभी धर्म, सभी मजहब के मानने वाले लोगों को लेकर आगे बढ़ने का काम किया और बिहार की तरक्की और बिहार के विकास में उन्होंने कोई कोर–कसर नहीं छोड़ा । महोदय, 2005 से पहले की स्थिति की जब हम चर्चा करते हैं, जब उस पर हम ध्यान डालते हैं, तो हमारा बिहार 2005 से पहले कहां था और 2005 के बाद बिहार कहां पहुंचा है । बिहार को तीन उपाधि से विभूषित किया गया था । महोदय, जब हम टेलीविजन खोलते थे, हम बी0बी0सी0 की खबर सुनते थे, तो तीन उपाधि से विभूषित किया गया था बिहार को । अपहरण,

उद्योग के मामले में कहा जाता था, तो लोग समझ जाते थे कि यह बिहार होगा । चारा घोटाला के बारे में जब अखबार और मीडिया चर्चा करती थी, तो समझते थे कि बिहार है ।

(व्यवधान)

महोदय, जंगल राज की उपाधि से बिहार को सम्मानित किया गया और बिहार के सम्मान और बिहारियों के सम्मान को तार–तार करने का काम किया गया था महोदय, 21 वर्षों में बिहार के तत्कालीन लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने बिहारी कहलाना जो अपमान का विषय था, स्वाभिमान के रूप में बदलने का काम किया, आज बिहार के लोग चाहे भारत के किसी राज्य में जाएं, पूरी दुनिया के किसी देश में जाते हैं, तो बिहार के लोग गर्व से सीना तान कर चलते हैं, सिर उठाकर चलते हैं, 21 वर्षों में नीतीश कुमार जी ने यह कदम उठाया महोदय । महोदय, सिर्फ यही काम हमलोगों ने नहीं किया । महोदय, बिहार देश का पहला राज्य है...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति बनाए रखिए ।

श्री श्रवण कुमार : जहां महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाया । त्रिस्तरीय पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया, नगर निकायों में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया, एकिल पथ पर हमने आरक्षण देकर के महिलाओं का सम्मान बढ़ाया और यहीं तक सीमित नहीं रखा, मौका मिला नीतीश कुमार जी को, तो हम बेटियों को भी पढ़ाने की दिशा में आगे कदम बढ़ाया और सरकारी नौकरियों में हमने 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया, यह देश का पहला राज्य बिहार है, जहां 23 हजार से ज्यादा बेटियों को हमने पुलिस में भर्त्ती किया है, यह काम करके हमने दिखाया है ।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश कुमार जी को जब मौका मिला, बिहार कई राज्यों से छोटा है, लेकिन स्वयं सहायता समूह का गठन किया, आज 11 लाख 88 हजार बिहार में स्वयं सहायता समूह हैं । महोदय, 1 करोड़ 50 लाख से ज्यादा परिवार को अभी तक हम जोड़ पाएं हैं और इस दिशा में हमारा काम चल रहा है और इससे आगे बिहार देश का पहला राज्य है जहां महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में बढ़ाने के लिए महिलाओं को हमने चिन्हित किया, जीविका की दीदीओं को आगे बढ़ाया, 1 करोड़ 81 लाख जीविका की दीदीओं के खाते में दस–दस हजार रुपया हमने भेजा और शहरी क्षेत्र में भी 18 लाख की जांच चल रही है, प्रक्रिया चल रही है.. .

अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाइए । कृपया समाप्त कीजिए । समय कम है ।

श्री श्रवण कुमार : उसमें भी 18 लाख में 1 लाख जीविका की दीदी जो शहरी क्षेत्र में हैं, गरीब लोग हैं उनके खातों में यह काम किया गया है । इसी प्रकार से रोजगार के क्षेत्र में

अन्य क्षेत्रों में भी हमने यह काम किया है । अंत में मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि यह देश का पहला राज्य बिहार है जहां सात निश्चय योजना शुरू की गई । जब सात निश्चत योजना शुरू की गई थी बिहार में, तो लोग कहते थे कि पैसा कहां से आएगा, जब गरीब के लिए योजना हमारे लोकप्रिय नेता नीतीश कुमार जी ने बनाया और उसको धरातल पर उतारना शुरू किया, तो सबसे पहले वहां से शुरू किया जहां राष्ट्रपिता महात्मा जिसके बारे में सोचते थे, डॉक्टर राम मनोहर लोहिया सोचते थे, जननायक कर्पूरी ठाकुर सोचते थे, डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर सोचते थे, सरदार पटेल सोचते थे, वहीं से इसकी शुरुआत किया...

अध्यक्ष : कृपया आप समाप्त कीजिए ।

श्री श्रवण कुमार : सबसे ज्यादा जिस पंचायत में दलितों की आबादी थी, दलितों की जिस वार्ड में आबादी थी, वहां से इन योजनाओं को हमने शुरू किया महोदय । आपका इशारा हो रहा है, मैं इतना ही कहता हूं कि आप, हमारे जो सम्राट चौधरी जी हैं, नीतीश कुमार जी का जो बिहार को बनाने का सपना है, नीतीश कुमार जी का जो संकल्प है, एक–एक संकल्प को पूरा करेंगे, हमलोगों का पूरा समर्थन, पूरा सहयोग इनको मिलता रहेगा, इन्हीं चंद शब्दों के साथ अपनी बातों को समाप्त करता हूं । बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय उप मुख्यमंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव जी ।

टर्न–8 / पुलकित / 24.04.2026

श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, नेता विरोधी दल ने कुछ आरोप लगाया उसी के स्पष्टीकरण पर बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ । उन्होंने आरोप लगाया कि खजाना खाली है । उन्होंने आरोप लगाया कि 1 लाख 81 हजार का कितना कर्ज लिया गया है । महोदय, कर्ज लेने की भी नीतियां निर्धारित हैं, कोई किसी राज्य को उसकी आमदनी को देखकर ही कर्ज देता है, भारत सरकार भी कर्ज लेती है, अमेरिका भी कर्ज लेता है । अगर कर्ज नहीं लेना है तो वर्ल्ड बैंक किसके लिए है ? रिजर्व बैंक किसके लिए है ? एशियन डेवलपमेंट बैंक किसके लिए है ? ग्रामीण विकास बैंक क्यों है ? यह नीतिगत निर्णय का हिस्सा है । लेकिन मैं साफ–साफ कहना चाहता हूँ कोई खजाना खाली नहीं है और न खजाना खाली होगा । किसी काम में व्यवधान नहीं आएगा, पैसे की कोई किल्लत नहीं है इसकी घोषणा मैं करता हूँ, गारंटी भी देता हूँ ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज शुक्रवार है, समय कम है, कुछ अधिक समय की जरूरत होगी ।

अतः आज के लिए निर्धारित कार्यों के संपादन होने तक सदन की राय से बैठक की अवधि विस्तारित की जाती है । माननीय मुख्यमंत्री जी ।

श्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन के सामने मैं सबसे पहले बिहार की महान जनता और अपने नेतृत्वकर्ता, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को, बिहार के सबसे लोकप्रिय नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार जी को, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय नितिन नवीन जी को, भारत सरकार के गृह मंत्री आदरणीय अमित शाह जी को और तमाम जो हमारे एनडीए के साथी, जो सभी नेता हैं, सबको मैं धन्यवाद देता हूं और यहां पर जो हमारे सभी माननीय सदस्य हैं, सबने मुझमें विश्वास व्यक्त किया इसके लिए मैं सबको धन्यवाद देता हूँ।

महोदय, आप जानते हैं कि पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से बिहार में एनडीए की सरकार चल रही है और एनडीए की सरकार ने लगातार किसानों की चिंता की, मजदूरों की चिंता की, गरीबों की चिंता की और साथियो, सबसे अधिक बिहार में सुशासन स्थापित करने का काम नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में होता रहा ।

जिस तरह सरकारी नौकरियों की बिहार में बहार आई, बिहार में महिलाओं के जीवन के उत्थान करने का काम किया गया । हमारी जो छोटी–छोटी बहनें हैं साइकिल योजना चलाकर उनको स्कूल तक पहुंचाने का काम लगातार किया गया । ऐतिहासिक शराबबंदी कदम भी तत्कालीन मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार जी ने लिया । साथियो, मैं जरूर यह आश्वस्त करना चाहता हूँ सदन को भी और पूरे बिहार को, देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी चाहते हैं देश विकसित हो और बिहार के नेता, हम लोगों के नेता नीतीश कुमार जी चाहते हैं बिहार समृद्ध हो, इस पर काम हमको करना है । जिस तरह नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में ट्रिपल सी पर कोई समझौता नहीं किया गया । चाहे वह क्राइम हो, करप्शन हो और कम्युनलिज्म हो । इन तीनों चीजों पर कभी समझौता नहीं किया गया । साथियो, आगे भी किसी भी कीमत पर कोई समझौता यह सरकार नहीं करेगी ।

(व्यवधान)

सही बात है कुछ लोगों को चिंता रहती है । कुछ लोगों को लगता है, हमारी पाठशाला । यही बपौती से बाहर निकलिए । किसी की बपौती नहीं है यह सत्ता । यह जो मुख्यमंत्री का पद है, यह 14 करोड़ बिहारियों का आशीर्वाद है इसलिए आज मैं बैठा हूँ । नीतीश कुमार जी का, नरेंद्र मोदी जी का, नितिन नवीन जी का, चिराग पासवान जी का, उपेंद्र कुशवाहा जी का, जीतन राम मांझी जी का, सबका आशीर्वाद है तभी तो यहां बैठा हूँ । कौन गलतफहमी में है ? कौन कहता है किसको बनाया ? कहां से गलतफहमी हो गई आपको ? मेरी तो राजनीतिक उत्पत्ति हुई है, मैं बता रहा हूँ इस

सदन के अंदर । नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री बनाना था, 1994 में समता पार्टी का निर्माण हुआ । मेरे पिताजी संस्थापक सदस्यों में से एक हुए । 1995 में सदस्य बनकर आए और लालू यादव जी ने मुझको जेल में डाला । मैं ही नहीं, मेरे परिवार के 22 सदस्यों को जबरदस्ती जेल में भेजा । लोग कहते हैं, लालू यादव का, इसलिए मैं ऑफिशियल बयान कह रहा हूँ, इसलिए मैं कोट कर रहा हूँ कि लालू यादव जी ने मिलर स्कूल के मैदान में क्षमा मांगी थी कि हमसे गलती हुई । इसलिए मैं बोल रहा हूँ और मेरी कई चीजों पर ये लोग चर्चा करते हैं, केस । मैं तो कह ही रहा हूँ, इस सदन में कई बार मैंने कहा, नीतीश जी नहीं होते तो लालू जी मुख्यमंत्री होते क्या ? लालू जी को भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बनाया, यह आपको जानकारी होनी चाहिए । यहां बैठे हैं वरिष्ठ साथी, इन लोगों से मिलिएगा आपको पता चल जाएगा और कोई किसी की पाठशाला से नहीं होता है ।

मैंने तो कहा कि मेरी राजनीति में लालू यादव जी का अत्याचार नहीं होता तो मैं बिहार का मुख्यमंत्री नहीं बन पाता । जेल नहीं जाता और न इस राजनीति में आता । मैं तो दूसरे रास्ते में चला जाता । इसलिए कोई गलतफहमी में मत रहिए । हमको पता है, आप जो समझा रहे हैं न, कोई किसी की पाठशाला नहीं है । यह लोकतंत्र है । साथियो, यही भारतीय जनता पार्टी है जिस पार्टी ने हमको लीडर ऑफ अपोजिशन भी बनाया । भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष भी बनाया और दो–दो बार डिप्टी सी0एम0 बनाया और आज बिहार का मुख्यमंत्री बनाया है । किस गलतफहमी में आप हैं ?

सबको पता है पूरी पार्टी एक है, कोई गलतफहमी में मत रहिएगा । न्यूज चलाने वाले चलाते रहेंगे, आप कंफ्यूजन में रहिएगा । हम सब एक हैं और साथियो, पूरा एनडीए कुनबा एक साथ मिलकर सिर्फ और सिर्फ बिहार का विकास करने का काम करेगा ।

महोदय, हम लोग को पता है, कई लोग कहते हैं बहुत चर्चा चल रही है मैंने देखा सोशल मीडिया पर, नए–नए मीडिया के रूप आए हैं, मैं खुद भी नहीं समझ पाता हूँ । मैं यदि माइनर होता 1995 में तो मेरे को जेल में रखता क्या ? बाल सुधार गृह में रखता ? 1995 में मैं जेल में रहा और ये सारे मामले कोई नये नहीं हैं । मैं लोअर कोर्ट लड़ा हूँ, हाईकोर्ट लड़ा हूँ, सुप्रीम कोर्ट लड़ा हूँ । सब बार लड़कर, जीतकर यहां बैठा हूँ, कहीं कोई दिक्कत नहीं है । जो आदेश सुप्रीम कोर्ट का होता है, न्यायालय का होता है, वही करता हूँ । डिग्री में आप भाई पीछे छूट गए । मैं तो यू0जी0सी0 हो या यूनिवर्सिटी की मान्यता हो, जब तक उसको प्रमाणित नहीं किया गया तब तक मैं एफिडेविट में अपना और इसके लिए भी अब चर्चा हो गई कि एफिडेविट, हाफिडेविट आप कह रहे हैं । भैया, यह बिहार के लोग अब ये बोल रहे हैं कि तीन बार आपका

शब्द बदल गया । भाई, मैं छठी बार मंत्री के दर्जे में हूँ, मुख्यमंत्री हूँ । 1999 में पहली बार मंत्री बना, 27 साल हो गए । इतने समय के बाद तो लोग राजनीति छोड़ देते हैं। अभी हमारे भाई अखतरुल जी ने कहा कि सबसे युवा मुख्यमंत्री । लालू जी सबसे पहले युवा मुख्यमंत्री हुए, लेकिन पूरे बिहार को लूटने में लग गए इसलिए युवा नहीं, बिहार को समृद्ध बनाना है । बिहार की समृद्धि के लिए काम कर रहे हैं ।

बिहार में नीतीश कुमार जी और प्रधानमंत्री जी ने जो संकल्प लिया है, 01 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार देना है, इस वादे पर काम करना है । महिलाओं के लिए स्पष्ट बताना चाहता हूँ, नीतीश कुमार जी एक गार्जियन के तौर पर बिहार में काम करते रहे । आदरणीय प्रधानमंत्री जी लगातार महिलाओं के सम्मान में आगे बढ़ रहे हैं और अभी कह रहे थे न कि आरक्षण के अंदर आरक्षण दे दीजिए । विजय बाबू उठे तो इनको कहे कि दर्द हो रहा है । आज देख लीजिए हमारी बहनें यहां बैठी हैं । 29 विधायक हैं यहां पर । उसमें से 23 विधायक सिर्फ ओ0बी0सी0 या दलित समाज से हैं, दो तिहाई से अधिक । जब आरक्षण होता, आज यदि संसद में बिल पारित हो गया होता, तो यहां 29 नहीं, 122 विधायक जीतकर हमारी बहनें आतीं। यह व्यवस्था चाहते हैं मोदी जी और नीतीश कुमार जी ने तो इसके लिए काम किया।

(क्रमशः)

टर्न–9 / हेमन्त / 24.04.2026

(क्रमशः)

श्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री : 2006 में जब कानून बना रहे थे पंचायती राज के अंतर्गत, तो 50 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया और 50 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया, तो आपको जानकर खुशी होगी कि आज की तारीख में नगर निकाय में और पंचायती राज में 59 प्रतिशत महिलाएं चुनाव जीतकर आ रही हैं। मतलब 50 से 59 हो गया। इसलिए महिलाओं का सम्मान करना पड़ेगा और मैं तो गारंटी देता हूं कि स्पष्ट तौर पर बिहार की पुलिस काम करेगी और महिलाओं की तरफ कोई भी गलत नजर उठाता है, उसको पाताल से भी निकालने का काम हमारी पुलिस करेगी। बिहार में सुशासन, लगातार कई साथी हमारे काम करते रहे। यहां पर राजस्व में आपने देखा कई चीजों को 2011 से लगातार लोक सेवाओं का अधिकार कानून लागू किया गया। बिहार भूमि पोर्टल शुरू किया गया, ई–म्यूटेशन की सुविधा शुरू की गई। उसके बाद दिलीप जायसवाल जी आए उन्होंने इसको आगे बढ़ाया ई–परिमार्जन को, विजय सिन्हा जी आए उन्होंने ई–मापी की व्यवस्था करायी। राजस्व न्यायालय में ई–कोर्ट की व्यवस्था करायी। संजय सरावगी जी थे, इसको पूरा डिजिटल कराने का काम किया। लेकिन जरूर आश्वस्त करता हूँ साथियों, आपने मौका दिया है, तीन चीजों को ब्लॉक, अंचल और थाना मेरा

सीएमओ इसको पूर्ण रूप से देखेगा और बिहार की जनता को पूर्ण रूप से सारी सुविधा मिल सके इसको सुनिश्चित करने का काम किया जाएगा। इसलिए पूरे बिहार की चिन्ता लगातार आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में होती रही है। प्रति व्यक्ति को दुगुना आय हो सके, इसकी चिन्ता करनी है । तेजी से औद्योगिक विकास हो सके, इंडस्ट्री को आगे बढ़ा सकें और आपको जानकर खुशी होगी लोग कहते हैं कि इन्वेस्टमेंट कहाँ है ? मैं बताना चाहता हूँ 2024 के 28 जनवरी को हम लोगों ने ओथ लिया आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के साथ। मैं फाइनेंस डिपार्टमेंट में काम कर रहा था, हमें यह ज्ञात होते रहा है कि कई चीजें बिहार की जनता को हम बता नहीं पाए और आपको जानकर खुशी होगी कि पिछले दो साल में बिहार में 1 लाख 36 हजार करोड़ का प्राइवेट इन्वेस्टमेंट सिर्फ बिहार में कराने का काम किया गया और इसको टारगेट लिया है हम लोगों ने। हम लोगों ने कहा है कि अगले एक साल में, जब एक साल पूरा हो, तो बिहार की जनता को इन प्राइवेट इन्वेस्टमेंट के सेक्टर में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट सिर्फ बिहार में हो, इसकी चिन्ता करनी है और ठीक है, तेजस्वी जी ने अच्छा कहा कि हम समर्थन करेंगे, अच्छे विषयों पर आएंगे, तो जरूर देखता हूँ, समर्थन मिले, बिहार की चिन्ता हो यह जरूर हम लोग समर्थन चाहेंगे।

मुख्यमंत्री जब थे नीतीश कुमार जी, मैंने तीन यात्रा उनके साथ की, प्रगति यात्रा, उसके बाद एनडीए के चुनाव के पहले हम लोग यात्रा में गए आदरणीय नीतीश कुमार जी के साथ, मैं यात्रा में रहा और समृद्धि यात्रा, जब राज्यसभा के सदस्य के लिए उन्होंने नॉमिनेशन कर लिया और जब निर्वाचित भी हो गए, तो उन्होंने कहा कि बिहार की जनता के बीच में हम जाएंगे, उन्होंने आशीर्वाद दिया था उसके बीच में जाकर और तब उन्होंने कहना शुरू किया कि यही लोग बिहार देखेंगे। हम लोगों को कहा कि आप लोगों को बिहार देखना है और मैं दिल्ली रहूँगा, दिल्ली से बिहार का हक बिहार को दिलाने का काम करूँगा साथियों और नीतीश कुमार जी को कौन हटा सकता है ? कोई गलतफहमी में मत रहिए। नीतीश कुमार जी को कभी कोई न राजनीति से हटा सकते हैं, न कोई दिल से हटा सकते हैं। क्योंकि नीतीश कुमार जी इच्छाशक्ति वाले नेता हैं। हम लोग सोचते थे कि कैसे ये डिसीजन ले रहे हैं। मैं उनका सेकंड नंबर था, मैं जान रहा था। पार्टी ने उस समय हमको नहीं कहा था कि हम मुख्यमंत्री होंगे। पार्टी ने जब निर्णय लिया तब मुझे पता चला, लेकिन वह जब कहते थे कि आप लोगों को बिहार संभालना है, हम लोगों को आश्चर्य लगता था कि जो व्यक्ति 20 साल से मुख्यमंत्री है और लगभग 50 साल से राजनीति में सार्वजनिक जीवन में जी रहे हैं, ये सत्ता छोड़ रहे हैं और कई बार, यहाँ पर कई कैबिनेट के साथी हैं हमारे, आप पूछिएगा अकेले में, सबको लगता था जब वह लास्ट कैबिनेट कर रहे थे और कहे कि हम इस्तीफा देने जा रहे हैं तो सबको लगा कि ये क्या हो रहा है ?

लेकिन ये नीतीश कुमार जी की इच्छाशक्ति थी कि आज सम्राट चौधरी बिहार का मुख्यमंत्री है इससे मैं कभी डिफर नहीं करता हूँ । इसलिए साथियों लगातार बिहार के विकास के लिए ही काम करना है। हमारे पास कोई दूसरा काम नहीं है। बिहार के विकास के लिए, बिहार की समृद्धि के लिए काम करना है। स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करना है। कई लोगों ने काम किया है इसके ऊपर, नीचे ब्लॉक से लेकर अनुमंडल, जिले वहाँ से ट्रांसफर करने की व्यवस्था को समाप्त करना है। वहीं लोग रहें, यहाँ आने की जरूरत नहीं है, यहाँ तो पीएमसीएच से पूरे प्रदेश के लिए रिसर्च के साथ–साथ यहाँ पर इलाज करने का काम किया जाता है। लेकिन ऐसी व्यवस्था करनी है कि जिले में यदि कोई बीमार पड़े, तो अगले दो–तीन दिनों तक जिले में ही रहकर उसका इलाज हो सके, ये व्यवस्था खड़ी करनी है।

अभी हम लोग जुलाई के माह में सभी प्रखंडों में यह निर्णय था हम लोगों का, हम लोग जब चुनाव में जा रहे थे, एनडीए के घोषणा पत्र में हम लोगों ने तय किया था कि उच्च शिक्षा को बढ़ाने के लिए हम लोग सभी प्रखंडों में एक–एक डिग्री कॉलेज खोलेंगे। 208 डिग्री कॉलेज बिहार सरकार ने तय कर दिया है और 1 जुलाई के बाद किसी दिन भी उसको चालू करने का काम बिहार की सरकार करेगी। किसानों के आय के लिए लगातार कृषि रोड मैप 1, 2, 3 लगातार इसकी बैठकें चलती रहती हैं और आज मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि जिस बिहार में लोग पानी से डरते थे, लोग कोसी से डरते थे, अभी बीच के कालखंड में जब दिल्ली में सांसदों के लिए नया भवन बन रहा था, तो मैंने एक नाम प्रस्ताव किया कोसी, तो लोगों ने गूगल पर सर्च किया तो कहा कि ये तो अभिशाप है। हमने कहा कि अब अभिशाप नहीं है। इसलिए नहीं है कि जिस बिहार उत्तर बिहार में बिहार के लिए कृषि योग्य जमीन 10 लाख हेक्टेयर जमीन थी आज उसी कोसी और कई नदियों को इसके पानी को कंट्रोल करके आज लगभग 22 लाख हेक्टेयर जमीन कृषि योग्य हो गयी, जो दुगुना है। इसलिए अब कोसी अभिशाप नहीं है । कोसी को वरदान बनाना है और कोसी वरदान बन रही है धीरे–धीरे। 2024 में आपने देखा कि अभी तक का सबसे अधिक पानी कोसी में नेपाल के तराई से आया और पूरी तरह बिहार में मात्र 156 गाँवों में जो रिवर साइड थे, उसमें सिर्फ पानी आया। साढ़े 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, 6 लाख 48 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि उस बाँध की कैपेसिटी ही 6 लाख 52 हजार क्यूसेक पानी थी। इसके बावजूद पूरा नॉर्थ बिहार बचा और बिहार ने देखा है 2008–09 में किस तरह पूरा कोसी समाप्त हो गया था, चाहे वह पूर्णिया का इलाका हो उसमें बाढ़ की स्थिति हो गई थी इसलिए ये संरचना बदल रही है। लेकिन इसको और अच्छा करना है क्योंकि वाटरवेज सबसे सस्ता है। 1 रुपया 30 पैसे के रेट से सबसे सस्ता वाटरवेज के माध्यम से ट्रांसपोर्टेशन है। रेलवेज उससे महंगा है, उससे महंगा रोडवेज

है और फिर एयर ट्रैफिक है। तो कई चीजें हैं जिसको करना है और अभी तो आदरणीय प्रधानमंत्री जी और आदरणीय नीतीश कुमार जी के सहयोग से बिहार में आप देख रहे होंगे एयरपोर्ट लगातार बनाने का काम शुरू कर दिया। आप देखिए, किशनगंज जो हमारा टेल पॉइंट है, वहाँ भी एयरपोर्ट की कल्पना की जा रही है। पूर्णिया एयरपोर्ट चालू हो गया। फारबिसगंज में एयरपोर्ट की कल्पना की जा रही है। सहरसा में एयरपोर्ट की कल्पना की जा रही है उसका भी टेंडर निकल गया। बीरपुर का टेंडर निकल गया। दरभंगा में हमारा एयरपोर्ट बनकर तैयार हो गया और चालू है और अगले 6 महीना में नया बिल्डिंग टर्मिनल भी चालू हो जाएगा।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेता विरोधी दल : उसका मापदंड क्या है ?

अध्यक्ष : बिना आसन की अनुमति के नहीं बोलें। नेता प्रतिपक्ष, बैठ जाइये। कृपया, बैठ जाइये।

श्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री : तेजस्वी जी, मैं बताऊंगा। इस पर भी चर्चा होगी।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बिना आसन की अनुमति के खड़े न हों।

श्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री : उस पर भी चर्चा होगी। वह बताया जायेगा। अभी तो हर जिले में...

(व्यवधान)

अभी तो हमारी सरकार ने तय किया है कि सभी जिलों में एयरपोर्ट भी बनायेंगे

(क्रमशः)

टर्न–10 / संगीता / 24.04.2026

(क्रमशः)

श्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री : और जहां एयरपोर्ट की आवश्यकता नहीं होगी वहां हेलीपोर्ट बनाने का काम सरकार करेगी । उसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मखाना बोर्ड, खेलों के लिए पूरी नयी पहचान बनाने का प्रदेश में मौका दिया है, इकोटूरिज्म को हम बढ़ाने का काम कर रहे हैं और 11 टाउनशीप लगातार प्रयास किए जा रहे थे कि टाउनशीप बढ़े और नए टाउनशीप की कल्पना की जाए । इस बार, पिछले कैबिनेट में मैं सभी साथियों को धन्यवाद देता हूं, बिहार की जनता को धन्यवाद देता हूं कि 11 टाउनशीप हम बनाने जा रहे हैं और सब ऐतिहासिक तौर पर, जो हमारी विरासत है उसके नाम पर बनाया जाएगा । पटना में पाटलीपुत्रा लगभग 60 हजार एकड़ जमीन में उसको बनाने का काम किया जाएगा और जिसका नाम पाटलीपुत्रा होगा साथियों । गयाजी में जो टाउनशीप बनाया जाएगा उसका नाम मगध के नाम पर रखा गया क्योंकि इस देश की पहचान भी मगध के तौर पर होगी । मुंगेर, जिस धरती से मैं भी आता हूं, उस इलाके को अंगराज कर्ण के तौर पर जाना जाता था और कहते थे लोग कि अंगप्रदेश है, उसको अंग के नाम से, वहां टाउनशीप बनाने का काम किया

जाएगा । भागलपुर, जहां ऐतिहासिक धरती है, जहां विक्रमशिला यूनिवर्सिटी होता था, वहां उसको विक्रमशिला के नाम से जाना जाएगा । पूर्णिया में, माता पूरनदेवी के नाम से पूर्णिया को ही नए टाउनशीप में बनाया जाएगा । उसी तरह जो सहरसा का इलाका है, उस इलाके में कोसी के नाम पर वहां टाउनशीप बनाने का काम किया जाएगा और मां जानकी के नाम पर मिथिला की जो धरती है, जहां उनका जन्म स्थान जिस इलाके में माना जाता है, उसको मां सीता के नाम पर, मिथिला के नाम पर, जो राज्य था, उसके नाम पर किया जाएगा और जो श्री नीतीश कुमार जी ने स्वयं घोषणा की थी वह था सीतामढ़ी की पावन धरती पर जाकर जब मां सीता के जन्म स्थान पर भव्य मंदिर बनाने का काम शुरू किया गया तो कहा गया कि हम यहां सीतापुरम एक नया शहर बनाने का काम करेंगे । उसी तर्ज पर तिरहुत मुजफ्फरपुर में सोनपुर के इलाका में हरिहर बाबा हैं, हरिहरनाथपुर बनाने का काम किया जाएगा और जो छपरा का इलाका है उसमें सारण, जो पुराना कमिश्नरी माना जाता है, पुराना जिला माना जाता है, उसके नाम पर बनाने का काम किया जाएगा । इसीलिए पूरी तरह अर्बन के भी सेक्टर में इसको आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा । अभी महिलाओं की सुरक्षा की चिन्ता लगातार लोग करते रहे हैं और हमलोगों ने तय किया था कि जो स्कूल में छुट्टी होती है, कॉलेज में, महिला स्कूल में, महिला कॉलेज में जब छुट्टी होती है तो उसके लिए एक सुरक्षा के मापदंड को आगे बढ़ाना है । कई घटनाएं सामने आयीं प्रकाश में, उसको देखते हुए हमलोगों ने निर्णय लिया कि अब सभी स्कूल और कॉलेज के सामने ''पुलिस दीदी'' पिंक स्कूटी के साथ खड़ी होंगी और पूरे प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ाने का काम किया जाएगा । इसलिए अभी हमलोगों ने जो पहली कैबिनेट थी, उसमें कई फैसले लिए । उसमें हरिहरनाथ बाबा को भी, जिस तरह बाबा विश्वनाथ कोसी में स्थापित हैं, प्रधानमंत्री जी ने जिस तरह कॉरिडोर बनाया है उसी तर्ज पर हमलोग सोनपुर में भी हरिहर बाबानाथ के नाम पर कॉरिडोर बनाने का काम करेंगे, जो लगभग 680 करोड़ का कॉरिडोर होगा और उनके आशीर्वाद से पूरा बिहार और समृद्ध हो, इसकी कामना भी करते रहेंगे । कई चीजों की लगातार माननीय विधायकों के द्वारा चिन्ता रहती थी कि जो रोड एक्सीडेंट होते थे, उसको इन्श्योरेंस सेक्टर में जाना पड़ता था । हमलोगों ने तय किया, आदरणीय वित्त मंत्री जी, आदरणीय विजय बाबू सब लोगों ने इसको तय किया कि अब जो रोड एक्सीडेंट होंगे, उसमें इन्श्योरेंस का भी पैसा 4 लाख मिलेगा और सरकार भी अपने स्तर से उसको 4 लाख रुपया घटना के बाद देने का काम करेगी । इसी तर्ज पर कई चीजें हैं, जिसको लगातार आपके समर्थन की जरूरत है और आपलोग लगातार समर्थन करते रहिए । यह जरूर आश्वस्त करता हूं कि कई सेक्टर हैं, जिसमें काम करने की जरूरत और भी है । नीतीश जी भी कहते थे कि जो हमारे ब्लॉक के स्कूल हैं, उसमें मॉडल स्कूल

की स्थापना करना है, जिला में जो जिला स्कूल होता था, उसको पूरी तरह व्यवस्थित करना है और नई जो पूरी संरचना बनेगी उसके साथ–साथ जोड़ने का कि हम ऐसी व्यवस्था खड़ी करें, कई लोग आते हैं और कहते हैं कि ऑफिसर के बेटा को पढ़ने के लिए बाध्य कीजिए, मैं बाध्य तो नहीं कर सकता हूं लेकिन यह व्यवस्था जरूर इस सरकार को खड़ी करनी है कि ऑफिसर और मंत्री का बेटा स्वयं सरकारी स्कूल में पढ़ना शुरू कर दे, ऐसी व्यवस्था खड़ी करनी है । इसको आगे बढ़ाना है, नीतीश जी ने पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया है, स्कूल में शिक्षक को पहुंचाया है और लगभग 5 लाख शिक्षकों की बहाली की और सबको मुख्यधारा में लाने का काम किया है इसलिए हमलोग अब लगकर इसको आगे बढ़ायेंगे और पूरी व्यवस्था को खड़ा करेंगे । कई लोग चिंतित हैं कि किसका सम्मान होना चाहिए । जो व्यक्ति, जो परिवार में अपनी बहन का सम्मान नहीं करता हो, वह दूसरे को सीख दे रहा है क्या, पूरा देश जानता है कोई हमको नहीं बताने की जरूरत है लेकिन पूरा देश और दुनिया जानती है । देखिए, जब भी मैं बार–बार कहता हूं, व्यक्तिगत हमला करिएगा तो व्यक्तिगत सुनना पड़ेगा । कभी भी व्यक्तिगत की जगह नहीं है । यह लोकतंत्र की धरती है, लोकतंत्र का मंदिर है । मैं जानता हूं, मैंने लालू प्रसाद जी के साथ भी काम किया है, मैं जानता हूं, बड़े नेता हैं इसमें कोई दो मत नहीं है लेकिन यदि वे सिर्फ अपने लिए नहीं जीते रहते तो ये सब लोग उनके साथ ही खड़े होते और लालू जी सबसे पहले, आपको यह जानकारी दे देता हूं सबसे पहले घुटना वे आर0एस0एस0 कार्यालय में ही जाकर डाले थे, कोई दूसरी जगह नहीं, 33 विधायकों का समर्थन चाहिए था, सरकार ही नहीं बनती, हल्दी ही नहीं लगता, मुख्यमंत्री ही नहीं बनते और नीतीश कुमार जी का इसलिए मैंने कहा योगदान है कि नीतीश कुमार जी नहीं होते तो लालू जी नेता ही नहीं बनते, एम0एल0ए0, एम0पी0 तो बन जाते । विरोधी दल का नेता बनाया और मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बना, यह पूरा बिहार जानता है लेकिन मैं सिर्फ याद दिला रहा हूं बिहार को, इसलिए आज मैं तमाम साथी, लगभग 13 लोगों ने अपनी बातों को रखा है लेकिन मैं फिर से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बिहार के लोकप्रिय नेता, हमलोगों के नेता श्री नीतीश कुमार जी को, हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को और तमाम जो एन0डी0ए0 के बड़े नेता हैं सबका और तमाम जो हमारे एन0डी0ए0 के विधायक हैं, सबने हमको नेता चुना, इसके लिए मैं सबको बधाई देता हूं और मैं कोशिश करूंगा कि जो हमारे विपक्षी पार्टी के साथी हैं, उनका भी सम्मान बिहार की जनता के बीच रखूं और लोग काम करते रहें, काम से आपके दिल को पूरा एन0डी0ए0 जीतने का काम करेगा, बहुत–बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब मैं मूल प्रस्ताव को रखता हूं ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''यह सभा वर्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है ।''

जो इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं, वे ''हाँ'' कहें,

जो इस प्रस्ताव के विपक्ष में हैं, वे ''ना'' कहें,

मैं समझता हूं कि पक्ष में बहुमत है, पक्ष में बहुमत है ।

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माननीय सदस्यगण, आज का यह ऐतिहासिक क्षण हम सभी के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है । माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी ने विधान सभा में विश्वास मत प्राप्त कर लोकतंत्र की शक्ति को पुरःस्थापित किया है । यह केवल एक राजनीतिक जीत नहीं बल्कि बिहार की जनता के विश्वास और अपेक्षाओं की जीत है। मैं बिहार विधान सभा अध्यक्ष के रूप में उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामना देता हूं । यह विश्वास मत आपके द्वारा मंत्री, उप मुख्यमंत्री और अब मुख्यमंत्री के रूप में किए गए कार्यों, निर्णयों, नेतृत्व क्षमता एवं जनता के प्रति आपकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है । हम आशा करते हैं कि आपके कुशल नेतृत्व में बिहार निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर होगा ।

(क्रमशः)

टर्न–11 / यानपति / 24.04.2026

(क्रमशः)

अध्यक्ष : शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास एवं न्याय के साथ विकास के मंत्र को साकार करते हुए प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक आप ले जायेंगे ।

मैं सदन के सभी सदस्यों से भी आग्रह करता हूँ कि हम सभी मिलकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए बिहार के समग्र विकास के लिए कार्य करें ।

एक बार पुनः माननीय मुख्यमंत्री जी को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए हार्दिक बधाई देता हूं ।

विश्वास की ये जीत है, जन–जन का सम्मान,
बिहार की धरती पर फिर खिला नया अरमान।
संघर्षों की राहों से जो बढ़ते चले गए,
हर मुश्किलों को हराकर, आगे निकल गए।
जनता का विश्वास बना, शक्ति उनकी पहचान,
सेवा और समर्पण से जीता सबका दिल महान।
नए सपनों का दीप जलाकर, बढ़े विकास की ओर,
बिहार के हर कोने में गूंजे प्रगति का शोर।

नेतृत्व ऐसा मिले हमें, जो करे सबका कल्याण,
सम्राट जी के संग सजे, उज्ज्वल बिहार महान ।

अब हम सबों के रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का लंबा समय बिहार की राजनीति में जिनका योगदान है । हम सब हमेशा उन्हें याद करेंगे ।

बिहार की धरती गवाही देती,
परिवर्तन की नई कहानी,
अंधेरों से उजियारे तक,
ले आए नई रवानी।
सड़क, बिजली, पानी की धारा,
हर गांव तक पहुंचाई,
शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में,
नई दिशा दिखलाई।
नारी सशक्तिकरण का सपना,
साकार किया उन्होंने,
हर दिल में विश्वास जगा,
आगे बढ़ाया देश को।
जन–जन के नेता
जन–जन के दिल में बसते,
सादगी जिनकी पहचान,
काम के प्रति निष्ठा ऐसी,
बढ़ाया बिहार का मान।
कानून व्यवस्था सुधारी,
भयमुक्त हुआ समाज,
विकास की राह पर चलकर,
लिखा नया इतिहास।
हर वर्ग का ध्यान रखा,
सबको साथ लेकर चले,
समता और न्याय की राह पर,
नए दीपक रोज जले।
परिवर्तन का प्रतीक नीतीश कुमार
वो सिर्फ एक नेता नहीं,
परिवर्तन का हैं प्रतीक,
हर योजना में दिखती,

उनकी सोच अद्वितीय।
हर हाथ को काम मिला,
हर घर में उजियारा,
बिहार को नई ऊंचाई दी,
बना दिया सबका सहारा।
विकास की इस यात्रा में,
उनका योगदान अपार,
सदियों तक याद रहेगा,
उनका यह उपकार।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 66 (1) परंतुक के अधीन सदन को सूचित करना है कि अष्टादश बिहार विधान सभा के माननीय सदस्य श्री नितिन नवीन, निर्वाचन क्षेत्र संख्या–182, बांकीपुर ने दिनांक–30.03.2026 को सदन से अपने स्थान का त्याग कर दिया है ।

माननीय सदस्यगण, माननीय उप मुख्यमंत्री जी के द्वारा एक प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी जी प्रस्तुत करेंगे ।

श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करूं, आज जो आपने आसन से कविताओं की अविरल धारा बहा दी है पूरा सदन उसके लिए आपके प्रति आभार प्रकट करता है और हम समझते हैं कि आज आपने आसन से जो–जो बातें जितनी देर तक कही हैं उसमें गद्य का हिस्सा कम था, पद्य का हिस्सा ज्यादा था । इसके लिए भी आपके प्रति आभार है ।

अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि

''यह सभा नारी शक्ति वंदन विधेयक से संबंधित 131वें संविधान संशोधन प्रस्ताव के संदर्भ में काँग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल एवं अन्य विपक्षी दलों की महिला विरोधी मानसिकता एवं संसद में उनके द्वारा अपनाए गए नकारात्मक रवैये की निंदा करती है।''

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''यह सभा नारी शक्ति वंदन विधेयक से संबंधित 131वें संविधान संशोधन प्रस्ताव के संदर्भ में काँग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल एवं अन्य विपक्षी दलों की महिला विरोधी मानसिकता एवं संसद में उनके द्वारा अपनाए गए नकारात्मक रवैये की निंदा करती है।''

जो इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं वे 'हां' कहें,
जो इस प्रस्ताव के विपक्ष में हैं वे 'ना' कहें ।
मैं समझता हूं पक्ष में बहुमत है, पक्ष में बहुमत है ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण बहिर्गमन कर गये)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन के कार्यकाल को समाप्त करने के पहले कतिपय जननायकों की सूचना भी मिली है जिनके प्रति शोक प्रकट करना हमारा कर्तव्य है ।

शोक प्रकाश

स्वर्गीय सतीश कुमार

अध्यक्ष : बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सतीश कुमार का निधन दिनांक 09 मार्च, 2026 को हो गया। निधन के समय उनकी आयु लगभग 75 वर्ष की थी।

स्वर्गीय कुमार लखीसराय जिला के सूर्यगढ़ा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1990 में एवं नालंदा जिला के अस्थावाँ विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1995 के सामान्य चुनाव एवं 2001 के उपचुनाव में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे एक कुशल राजनीतिज्ञ थे। हम उनके निधन से दुखी हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वर्गीय सैयद गुलाम हुसैन

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सैयद गुलाम हुसैन का निधन दिनांक 09 मार्च, 2026 को हो गया। निधन के समय उनकी आयु लगभग 75 वर्ष की थी।

स्वर्गीय हुसैन पूर्णिया जिला के कसबा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1985 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे मिलनसार एवं कर्मठ व्यक्ति थे। हम उनके निधन से दुःखी हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वर्गीय सियाराम यादव

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री सियाराम यादव का निधन दिनांक 05 अप्रैल, 2026 को हो गया। निधन के समय उनकी आयु लगभग 89 वर्ष की थी।

स्वर्गीय यादव मधुबनी जिला के पंडौल विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे। हम उनके निधन से दुखी हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वर्गीय राधिका देवी

बिहार विधान सभा की पूर्व सदस्या श्रीमती राधिका देवी का निधन दिनांक 06 अप्रैल, 2026 को हो गया। निधन के समय उनकी आयु लगभग 72 वर्ष की थी।

स्वर्गीय देवी गोपालगंज विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1977 में बिहार विधान सभा की सदस्य निर्वाचित हुई थीं। वे एक मिलनसार एवं मृदुभाषी महिला थीं। हम उनके निधन से दुखी हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वर्गीय मंसूर आलम

बिहार विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री मंसूर आलम का निधन दिनांक 20 अप्रैल, 2026 को हो गया। निधन के समय उनकी आयु लगभग 84 वर्ष की थी।

स्वर्गीय आलम कटिहार जिला के बरारी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 1985, 1995 एवं 2000 में बिहार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे बिहार सरकार में राज्यमंत्री भी रहे थे। वे एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी थे। हम उनके निधन से दुखी हैं।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अध्यक्ष : अब हमलोग एक मिनट तक मौन खड़े होकर सभी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करें।

(एक मिनट का मौन)

मैं अपनी तथा सम्पूर्ण सदन की ओर से शोक संतप्त परिवार के पास संदेश भिजवा दूंगा।

माननीय सदस्यगण, अब बिहार गीत होगा, कृपया अपने–अपने स्थान पर खड़े हो जायं ।

(बिहार गीत)

अब सभा की बैठक अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित की जाती है ।